संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -276 सोमवार, 07 अगस्त 2023,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञानवापी के तीसरे दिन के एएसआई सर्वे के बाद बोला हिंदू पक्ष

अब हम भी काफी करीब हैं...

वाराणसी,06 अगस्त 2023(ए)। वाराणसी में ज्ञानवापी के सर्वे के तीसरे दिन का काम पूरा होने के बाद हिंदू पक्ष काफी संतुष्ट नजर आ रहा है। यह काम सोमवार को भी जारी रहेगा। इस सर्वे में एएसआई की ओर से हर तरह के अत्याधुनिक तरीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

रविवार को सर्वे के तीसरे दिन का काम पूरा होने के बाद हिंदू पक्ष के वकीलों ने इसपर काफी संतुष्टि जताई है और कहा है कि वह इस प्रक्रिया से पूरी तरह संतुष्ट हैं और उन्हें लगता है कि वे अपने दावे के बेहद करीब हैं और प्रतिदिन और भी करीब आते जाएंगे।

सही तरीके से हो रहा है सर्वे का काम

हिंदू पक्ष के वकील हिंदू पक्ष के एक वकील विष्णु शंकर जैन ने एएसआई सर्वे के बारे में कहा है कि, %एएसआई कोर्ट के आदेशों के मुताबिक सही तरीके से सर्वे का काम कर रहा है। पूरे परिसर का तीनों गुंबदों समेत बेसमेंट का विस्तार से अध्ययन किया जा रहा है। मैपिंग, नापने और फोटोग्राफी का काम चल रहा है.....कल सावन की सोमवारी है...भीड़ रहेगी...सर्वे का काम जारी रहेगा.....

काफी करीब हैं और हर दिन करीब बढ़ते चले जाएंगे

उन्होंने कहा कि हम तीनों वकीलों और चारों वादी महिलाओं का आधिकारिक बयान यही है कि सर्वे का काम चल रहा है। सुचारू रूप से चल रहा है...कोर्ट के आदेश के मुताबिक चल रहा है और विशेष जानकारी हम नहीं दे सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा है कि हमलोग बहुत संतुष्ट हैं....काफी करीब हैं और हर दिन करीब बढ़ते चले जाएंगे.....एएसआई एक निष्पक्ष संस्था है...वह अपनी राय देगा और उसके बाद आगे मामला बढ़ेगा।

हर तरह की वैज्ञानिक तकनीक का इस्तेमाल

हिंदू पक्ष के एक और वकील सुभाष नंदन चतुर्वेदी का कहना है कि तीनों गुंबदों की फोटोग्राफी, नापने और मैपिंग का काम हुआ है....पूरे परिसर का अध्ययन किया जा रहा है.....जीडीपीआर मशीनों का उपयोग किया गया है। हिंदू पक्ष का कहना है कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की ओर से सर्वे के काम में हर तरह की वैज्ञानिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है।

सबका सहयोग मिल रहा है हिंदू पक्ष के वकील

वहीं हिंदू के तीसरे वकील सुधीर त्रिपाठी ने कहा है कि एएसआई को सर्वे के काम में सभी पक्षों का सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कहा, %उन्होंने (मुस्लिम पक्ष) गुंबद के ऊपर जाने का चाबी दिया, सहयोग किया, उनके अधिवक्ता भी उपस्थित थे और गुंबद का सर्वे हुआ.....बहुत ही गहराई से मंथन हुआ है ये कह सकते हैं..... गौरतलब है कि मुस्लिम पक्ष ने पहले यह सर्वे रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट तक का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन सर्वोच्च अदालत ने इसपर रोक नहीं लगाई। सर्वोच्च अदालत के इस फैसले पर ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल बोर्ड निराशा भी जाहिर कर चुका है। उसका कहना है कि अदालत का यह फैसला बहुत ही दुखद और हैरान करने वाला है।

अमेरिका के म्यूजियम में सुरक्षित है ज्ञानवापी का सच!

1868 में ब्रिटिश फोटोग्राफर ने खींची थीं तस्वीरें

अमेरिका के लास एंजिलिस स्थित गेट्टी म्यूजियम के फोटोग्राफ्स विभाग में तस्वीरें प्रदर्शित है, जिसके चित्र परिचय में लिखा है- ज्ञानवापी आर वेल आफ नालेज% यानी ज्ञानवापी-ज्ञान का कुआं। विवरण में आगे लिखा है- वाराणसी में इसी नाम की मस्जिद के अंदर ज्ञानवापी कुएं का दृश्य। तीन अलंकृत नक्काशीदार स्तंभ अग्रभूमि में, एक खोदी गई मेहराब के नीचे और एक नक्काशीदार मूर्ति के सामने खड़े हैं।

एक दूसरी तस्वीर में अलंकृत रूप से सजाई गई मूर्ति दो स्तंभों के बीच दिख रही है और इसके ऊपर स्तंभों में से एक के शीर्ष पर घंटी लटकी हुई है। इस फोटो में दीवार पर बनी बजरंगबली की मूर्ति, घंटियां, नक्काशीदार खंभे व अन्य हिंदू धर्म के प्रतीक चिह्न एकदम स्पष्ट देखे जा सकते हैं।

ये तस्वीरें ब्रिटिश फोटोग्राफर सैमुअल बार्न ने 1868 में तब खींची थी, जब वह बनारस यात्रा पर आए थे। ये तस्वीरें आज से 155 वर्ष पूर्व ज्ञानवापी की सच्चाई को दर्शाते हैं। संग्रहालय में सैमुअल के खींचे और नीलामी में प्राप्त लगभग 150 फोटोग्राफ हैं, जो उन्होंने अपनी भारत यात्रा के दौरान कैमरे से खींची थीं।

दीवारों पर बने है काफी पुराने चित्र

इनमें बनारस के घाट, आलमगिरी मस्जिद सहित अनेक मंदिरों और ज्ञानवापी के भीतर तथा बाहर बैठे नंदी की अनेक तस्वीरें हैं। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास, कला संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के प्रोफेसर अशोक कुमार सिंह बताते हैं कि सैमुअल बार्न के चित्रों में ज्ञानवापी में दीवारों पर देवी-देवताओं के चित्र, हिंदू धर्म के प्रतीक चिह्न स्पष्ट रूप से उपस्थित दिखते हैं। इससे यह पता चलता है ज्ञानवापी के भीतर आज भी मंदिर के बहुत सारे अवशेष पाए जा सकते हैं।

इंडियन रेलवे के लिए ऐतिहासिक दिन बना 6 अगस्त

पीएम मोदी ने रखी 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की नींव

नई दिल्ली ,06 अगस्त 2023(ए)। भारतीय रेलवे के इतिहास का आज एतिहासिक दिन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज देश भर में 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की नींव रख दी है। ये 508 स्टेशन 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैले हुए हैं। इनमें उत्तर प्रदेश और राजस्थान में 55-55 स्टेशन हैं।

बिहार में 49, महाराष्ट्र में 44, पश्चिम बंगाल में 37, मध्य प्रदेश में 34, असम में 32, ओडिशा में 25, पंजाब में 22, गुजरात और तेलंगाना में 21-21, झारखंड में 20, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में 18-18, हरियाणा में 15 और कर्नाटक में 13 स्टेशन परियोजना में शामिल हैं। रेल विभाग का लक्ष्य इन रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास काम को 2025 तक पूरा करना है। पीएम मोदी खुद काम की निगरानी कर रहे हैं।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि 'इन स्टेशनों का विकास हमारी सरकार का एक प्रमुख फोकस है। हमारे प्रधानमंत्री निजी रूप से इन रेलवे स्टेशनों की प्रगति की निगरानी कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि रेलवे देश भर में लोगों के परिवहन का पसंदीदा साधन है। उन्होंने रेलवे स्टेशनों पर विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के महत्व पर जोर दिया है।

श्री राम मंदिर के लिए बनाया गया 400 किलो का ताला

4 फुट की चाबी से खुलेगा

अयोध्या ,06 अगस्त 2023 (ए)। श्रीराम मंदिर निर्माण की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। वहीं इस मंदिर के लिए अलीगढ़ के एक कारीगर सत्य प्रकाश शर्मा ने 400 किलो का ताला बनाया है। ताला 10 फीट ऊंचा, 4.5 फीट चौड़ा और 9.5 इंच मोटा है। इसकी चाबी 4 फुट की है। शर्मा इस ताले में मामूली संशोधन करने और इसकी सजावट में लगे हुए हैं। इस ताले का निर्माण वह 45 साल से कर रहे हैं। शर्मा के साथ इस कार्य में उनकी पत्नी रुक्मिणी देवी ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि इस कठिन उद्यम में मेरी पत्नी ने खूब मदद की। रुक्मणी ने कहा, पहले हमने छह फीट लंबा और तीन फीट चौड़ा ताला बनाया था, लेकिन कुछ लोगों ने बड़ा ताला बनाने का सुझाव दिया, इसलिए हमने इस पर काम करना शुरू कर दिया। उन्होंने बताया कि ताले को अंतिम रूप दिया जा रहा है। शर्मा के अनुसार, ताला बनाने में उन्हें लगभग दो लाख रुपये का खर्च आया और उन्होंने अपने सपनों की परियोजना को हकीकत में बदलने के लिए स्वेच्छा से अपने जीवन की बचत लगा दी।

जब 26 घंटे में सदस्यता रद्द तो 26 घंटे बाद बहाली क्यों नहीं ?

चंडीगढ़,06 अगस्त 2023 (ए)। अखिल भारतीय कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री, हरियाणा कांग्रेस की पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ की प्रभारी कुमारी सैलजा ने कहा कि सूरत की जिला अदालत द्वारा जब राहुल गांधी को दोषी करार दिया गया तो उसके 26 घंटे बाद उनकी संसद सदस्यता को रद्द करने का नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया। अब सर्वोच्च न्यायालय द्वारा राहुल गांधी दोषसिद्धि पर रोक लगी दी गई है तो इस निर्णय के बाद उनकी संसद सदस्यता को बहाल क्यों नहीं किया गया है। क्या मोदी सरकार इस बात से डरी हुई है कि राहुल गांधी मणिपुर में हो रहे नरसंहार एवं वहां के बेसहारों की आवाज़ उठाते हुए आईएनडीआईए (इंडिया) की आवाज़ को मुखर करेंगे।

मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि राहुल गांधी की जीत सत्य की जीत का प्रतीक है। कांग्रेस चाहती कि राहुल गांधी की संसद सदस्यता जल्द से जल्द बहाल हो और वह मोदी सरकार के खिलाफ लाए जा रहे अविश्वास प्रस्ताव की चर्चा में शामिल हों। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द करने में जितनी जल्दी दिखाई थी सदस्यता बहाल करने में भी उतनी जल्दी दिखाई जानी चाहिए थी। उन्होंने कहा है कि गुजरात के सूरत की जिला अदालत द्वारा राहुल गांधी को दो साल की सजा दिए जाने के बाद लोकसभा सचिवालय ने 24 मार्च को एक नोटिफिकेशन जारी कर 23 मार्च से उनकी लोकसभा की सदस्यता को रद्द कर दिया गया था। राहुल गांधी 2019 के लोकसभा चुनाव में केरल के वायनाड से सांसद चुने गए थे। सुप्रीम कोर्ट की ओर से राहुल गांधी की सजा पर रोक लगाए जाने के बाद उनकी लोक सभा सदस्यता को भी तुरंत बहाल किया जाना चाहिए।

यह बोल्ड एक्ट्रेस राहुल गांधी से शादी करने को तैयार,लेकिन रखी ये शर्त

मुंबई,06 अगस्त 2023 (ए)। बालीवुड की बोल्ड अभिनेत्री शर्लिन चोपड़ा ने आज एक मीडिया हाउस के साथ बातचीत में कहा कि वह राहुल गांधी के साथ शादी करने के लिए तैयार हैं लेकिन उनकी एक शर्त है। शर्लिन की शर्त यह है कि वह शादी के बाद भी गांधी नहीं बल्कि चोपड़ा सरनेम ही चाहती हैं। यानि शादी के बाद शर्लिन का नाम शर्लिन चोपड़ा रहेगा।

शर्लिन के इस बयान वाले वीडियो पर एक यूजर ने लिखा है की इसने भी राखी सावंत वाला नशा कर लिया हैं। शर्लिन के मुताबिक अगर राहुल गांधी शर्लिन की इन शर्तों को मानते हैं तो वे उनसे शादी करने को तैयार हैं। आपको बता दे की सोशल मीडिया पर शर्लिन का ये वीडियो काफी वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर ये वीडियो इस कदर फैल रहा हैं की लगता हैं ये वीडियो अब राहुल तक भी जल्द ही पहुँच ही जाएगा। आपको बता दे की इस वीडियो में शर्लिन से पूछा जाता है की क्या वे राहुल गांधी से शादी करना चाहेगी, ऐसे में शर्लिन ने कहा हाँ क्यों नहीं।

जिस होटल से हुई थी पत्थर बाजी वो भी हुआ जमींदोज

नूंह ,06 अगस्त 2023 (ए)। हरियाणा के नूंह में हुई हिंसा को लेकर आज भी बुलडोजर एक्शन जारी है। प्रशासन ने नूंह में एक अवैध होटल कम रेस्तरां को रविवार सुबह बुलडोजर की मदद से तोड़कर जमींदोज कर दिया गया। जिला प्रशासन का कहना है कि यह होटल अवैध रूप से बनाया गया था और हाल ही में हुई हिंसा के दौरान उपद्रवियों ने इसकी छत पर चढ़कर धार्मिक यात्रा में शामिल लोगों पर पत्थर फेंके थे।जिला नगर योजनाकार विनेश कुमार ने बताया कि यह इमारत पूरी तरह से अनधिकृत थी और इसे सरकार और विभाग द्वारा पहले ही नोटिस भेज दिया गया था। उसी के तहत आज यह कार्रवाई की जा रही है। यह एक होटल कम रेस्तरां है और पूरी तरह से अनधिकृत है। यहां से बृजमंडल यात्रा पर दंगाइयों ने पथराव किया था, इसलिए यह कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन ने शनिवार को नलहर मेडिकल कॉलेज के आसपास की 2.6 एकड़ जमीन समेत 12 अलग-अलग स्थानों पर अवैध निर्माण पर बुलडोजर चला दिया था।

शव दफनाने को लेकर मचा बवाल

कांकेर,06 अगस्त 2023 (ए)। हिन्दू धर्म को छोड़ कर इसाई धर्म को अपनाने वाले एक व्यक्ति को मरने के बाद दो गज जमीन भी नसीब नहीं हो रहा है उनके शव को दफनाने को लेकर दो धर्मों के बीच भारी बवाल मचा हुआ है। मामला पखांजुर थाना क्षेत्र का है । शव दफनाने का विवाद शनिवार को शुरू हुआ था। ग्रामीणों ने शव दफनाने का विरोध किया और पखांजुर थाने के सामने धरने पर बैठ गए थे। धरने पर बैठे ग्रामीणों ने मांग की थी, जिस जगह शव दफनाया गया है। विवाद बढ़ता ही गया और आज व्यापारियों ने दुकानें बंद कर दीं। मामले को लेकर राजनीति भी शुरू हो गई है। पूर्व विधायक भोजराज नाग सहित युवा मोर्चा और बजरंग दल के कार्यकर्ता विरोध में उतर आए हैं। वहीं, पुलिस ने विवाद की स्थिति को देखते हुए पखांजुर में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिए गए है।

क्या है पूरा मामला

पखांजूर थाना क्षेत्र के माझपल्ली गांव निवासी दिलीप पद्दा कि तीन अगस्त को मौत हो गई थी। वह एक वर्ष से बीमार था। इसी दौरान वह मसीही समाज के किसी प्रचारक के संपर्क में आया। प्रचारक ने उसकी बीमारी ठीक होने की बात कहकर उसका और उसके परिवार का धर्म परिवर्तन करा दिया। धर्म परिवर्तन करने के चलते शव को आदिवासी समाज ने गांव में दफनाने नहीं दिया। इस दौरान परिजनों ने खुद की जमीन में शव दफनाने का प्रयास किया, लेकिन

गांव-परिवार वाले सहमत नहीं हुए। चार अगस्त को मृतक के बेटे ने ऐसेबेड़ा गांव की जन चौपाल में कलेक्टर से शिकायत की। इसके बाद प्रशासन ने माझपल्ली से शव पखांजूर मंगवाया और वार्ड-1 में पुलिस की सुरक्षा में दफनाया गया।

प्रशासन ने शव नहीं हटाया तो खुद ही हटा देंगे

वार्ड-1 में शव दफनाने के बाद ग्रामीणों और बीजेपी नेताओं में आक्रोश है। शासन ने भविष्य में उस स्थान में शव नहीं दफनाने और भूमि का आवंटन निरस्त करने का आश्वासन दिया, लेकिन वार्ड वासी नहीं माने और वहां से शव हटाने की मांग पर अड़े रहे। इसके बाद वार्ड वासियों ने पखांजूर थाने के सामने धरना शुरू कर दिया। धरने दे रहे लोगों का कहना है कि अगर शव नहीं हटाया जाता तो वह खुद ही शव हटा देंगे। धरना में पूर्व सांसद विक्रम उसेंडी भी पहुंचे थे।

कांग्रेस सरकार में धर्म परिवर्तन में हुआ इजाफा

पूर्व बीजेपी सांसद विक्रम उसेंडी ने बताया कि धर्मांतरित ईसाई समाज के व्यक्ति के शव को यहां लाकर दफनाया गया है। जबकि उसके या ईसाई समाज के लिए यहां किसी तरीके की भूमि आरक्षित नहीं है। यह प्रशासन की लापरवाही है, यहां पर अगर पहले से आवंटित जमीन होती तो दफनाया जाना चाहिए था। इस बात का आक्रोश है कि नगर पंचायत के द्वारा किसी प्रकार का एनओसी ईसाई समाज के कब्रिस्तान के लिए जारी नहीं हुआ है। इसके बाद भी यहां लाकर दफनाया गया है। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद धर्मांतरण की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। इसको सरकार को ध्यान देना चाहिए और कुल मिलाकर जहां शव दफनाया गया है, कब्रिस्तान उनके लिए आवंटित नहीं है। शासन-प्रशासन को तत्काल संज्ञान में लेना चाहिए।

दो बच्चों पर हैवानियत की हदें पार

चोरी के शक में मासूमों को पिलाया पेशाब,प्राइवेट पार्ट में डाली मिर्ची; पूरा मामला जान दहल जाएगा दिल

सिद्धार्थनगर,06 अगस्त 2023 (ए)। उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले में दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां पथरा थाना क्षेत्र में दो बच्चों के साथ हैवानितय की हदें पार कर दी गई। जानकारी के मुताबिक क्षेत्र में स्थित एक मुर्गी फार्म में दो मासूम घुसे थे। जिन्हें कुछ लोगों ने पकड़ लिया। दोनों बच्चों को पेट्रोल के इंजेक्शन लगाया गया, फिर पेशाब पिलाया। इतने से मन नहीं भरा तो एक बच्चे के गुदाद्वार में मिर्ची डाल दी गई। इतना ही नहीं इन बच्चों के साथ क्रूरता करते हुए उसका वीडियो बनाया और फिर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इन दोनों बच्चों में एक बच्चा महज 6 से 7 साल का है। वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए पुलिस ने 6 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

स्थानीय लोगों के अनुसार बुधवार को मुर्गी फॉर्म से 2000 रुपये गायब हो गए थे। शक के आधार पर उन लोगों ने मानसिक रूप से

कमजोर दो नाबालिगों को चाय पिलाने के बहाने अपने दुकान पर बुलाया फिर अपने अन्य सहयोगी के साथ ऐसी हैवानियत की जिससे लोगों की रूह कांप गई। इसके बाद आठों लड़कों ने बारी-बारी एक बोतल में पेशाब कर इन दोनों नाबालिगों को जबरन पिलाया। दोनों के हाथ-पैर बांध दिए और निर्वस्त्र कर शरीर में पेट्रोल भरकर इंजेक्शन लगाया। दोनों के कपड़े उतरवाकर नाजुक अंगों में हरी मिर्च तोड़कर डाल दी और पूरी वारदात का वीडियो भी बना लिया।

बच्चों की मां और पिता ने पुलिस को तहरीर दी जिनमें पुलिस ने 8 नामजद आरोपियों पर कुकर्म, पॉक्सो सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया। इन आरोपियों में उमेद, मोहम्मद आकिब, अब्दुल स?ऊद, रफीउल्लाह, शेरअली और दीपक को गिरफ्तार कर लिया गया है। मुख्य आरोपी सऊद और शप्पू अभी भी फरार है। सभी आरोपी पथरा थाने के निवासी बताए जा रहे। इस संदर्भ में अपर पुलिस अधीक्षक अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि मामले का संज्ञान लिया गया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 6 लोगों को हिरासत में लिया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

संपादकीय

कहीं कोई जवाबदेही नहीं?

नूह और आसपास के इलाकों में जो प्रशासनिक नाकामी सामने आई, क्या उसकी शृंखलाबद्ध जवाबदेही तय नहीं की जानी चाहिए? लेकिन आज जिस चीज का सबसे ज्यादा अभाव है, वह उत्तरदायित्व ही है। और इसीलिए हिंसक घटनाओं पर लगाम नहीं लग पा रही है।

हरियाणा के दंगाग्रस्त नूह इलाके में कार्यरत एक सीआईडी अधिकारी ने एक टीवी चैनल को बताया कि उन्होंने हिंसा की तैयारियों के बारे आगाह करते हुए अपने विभाग को रिपोर्ट भेजी थी। लेकिन उस क्षेत्र के थाना इंचार्ज ने उसी चैनल को बताया कि उन्हें ऊपर से कोई ऐसी चेतावनी नहीं आई। उधर सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के नेता कह रहे हैं कि हथियार दोनों तरफ (यानी हिंदू और मुस्लिम समुदायों में) इकट्ठा किए गए थे। मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा है कि राज्य पुलिस की सबकी सुरक्षा की गारंटी नहीं कर सकती (हालांकि इस पर विवाद होने के बाद उन्होंने जानी-पहचानी सफाई दी कि उनकी बात को गलत ढंग से समझा गया)। बहरहाल, यह अहम सवाल है कि खुफिया सूचना को संबंधित पुलिस थाने को ना भेजने के लिए कौन जिम्मेदार था? उधर, इस तर्क से सरकार या सत्ता पक्ष का बचाव कैसे हो सकता है कि मुसलमानों ने भी हथियार इकट्ठे किए थे और दोनों तरफ से हिंसा हुई? प्रश्न तो यह है कि दोनों में से कोई पक्ष अगर हिंसा की तैयारी में पहले से जुटा हुआ था, तो राज्य प्रशासन कहां सोया हुआ था?

सीआईडी अधिकारी के बयान की रोशनी में यह सवाल और गंभीर हो जाता है- इसलिए कि तब बात सिर्फ लापरवाही की नहीं रह जाती, बल्कि नीयत का सवाल भी उठ खड़ा होता है। हथियार लेकर शोभा यात्रा निकालने की इजाजत देना और चुनौती के अंदाज में किसी अन्य महजब के धर्म स्थल के सामने से उसे गुजरने की इजाजत देने से जुड़े प्रश्नों की चर्चा हम यहां नहीं कर रहे हैं। हालांकि उत्तर प्रदेश के बरेली में जिस तरह ऐसा होने से रोकने वाले वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के साथ जैसा व्यवहार किया गया, उसके मद्देनजर ये सवाल भी पूरी गंभीरता के मौजूद हैं। अतिरिक्त प्रश्न यह है कि नूह और आसपास के इलाकों में जो प्रशासनिक नाकामी सामने आई, क्या उसकी शृंखलाबद्ध जवाबदेही तय नहीं की जानी चाहिए? लेकिन आज के दौर में जिस चीज का सबसे ज्यादा अभाव है, वह उत्तरदायित्व ही है। और इसीलिए हिंसक घटनाओं पर लगाम नहीं लग पा रही है।

स्थायी तनाव से चुनावी फायदा पहुंचाने का फंडा तो नहीं

देश भर में हो रही घटनाओं को देख कर ऐसा लग रहा है मानों योजना के तहत समाज में और राजनीति में भी स्थायी तनाव पैदा किया जा रहा है। लोगों के मन में किसी न किसी मसले पर उबाल बनाए रखने की कोशिश है। लोग गुस्से में रहें और एक-दूसरे के प्रति नफरत से भरे रहें, इस बात के प्रयास किए जा रहे हैं। असल में किसी बड़े सांप्रदायिक या सामुदायिक दंगे की बजाय समाज में स्थायी तौर पर खदबदाहट बनाए रखने की रणनीति राजनीतिक रूप से ज्यादा कारगर है। दंगे से जीत की गारंटी नहीं होती है। दिल्ली में सांप्रदायिक दंगे हुए थे लेकिन उसके बाद हुए दिल्ली नगर निगम के चुनाव में भाजपा हार गई। उसका 15 साल का एमसीडी का राज खत्म हो गया। असल में बड़े दंगों में हिंदुओं का ज्यादा नुकसान होता है। उनका कारोबार ठप्प होता है और जान-माल दोनों का नुकसान होता है। इस बारे में लेखक बद्रीनारायण ने अपनी किताब 'रिपब्लिक ऑफ हिंदुत्व' में विस्तार से लिखा है।

बहरहाल, समाज में स्थायी तनाव बनाए रखने के लिए कई उपाय किए जाते हैं। वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद और मथुरा के शाही ईदगाह का मसला भी ऐसा ही है। जिस समय अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर का मामला अपने चरम पर था तब विश्व हिंदू परिषद का नारा था, 'अयोध्या तो झांकी है, मथुरा-काशी बाकी है'। तो अब मथुरा और काशी की बारी आ गई है। अयोध्या में मंदिर निर्माण पूरा होने वाला है। अगले साल जनवरी में वहां रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। उससे पहले ही वाराणसी और मथुरा का मामला फिर से उभार दिया गया है। अभी यह कानूनी लड़ाई के स्टेज में है लेकिन इसे लेकर जल्दी ही धार्मिक व राजनीतिक संघर्ष शुरू होने वाला है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बयान देकर इसकी शुरुआत कर दी है। सोचें, क्या मुख्यमंत्री को अब जाकर पता चला है कि ज्ञानवापी मस्जिद में कथित तौर पर शिवलिंग है या त्रिशूल है या दूसरे हिंदू धार्मिक प्रतीक चिन्ह बने हैं? हो सकता है कि उनको पहले से इस बारे में पता हो या अंदाजा हो लेकिन यह बात कहने के लिए इंतजार किया गया। पहले चार महिलाओं ने माता शृंगार गौरी की नियमित पूजा-अर्चना के लिए याचिका डाली थी। उसके बाद मस्जिद के पुरातत्व विभाग से सर्वेक्षण कराने की याचिका डाली गई। और अब मुख्यमंत्री ने कहा है कि उसे मस्जिद कहा जाए तो यह विवाद की बात होगी। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज को ऐतिहासिक गलती स्वीकार करनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने मुस्लिम समाज से ही उपाय सुझाने को कहा है।

जाहिर है कि जब अयोध्या का मामला निपट रहा है तो दूसरा कोई ऐसा मुद्दा होना चाहिए, जिसकी आंच सुलगती रही और चूल्हे पर चढ़ा वोट का बर्तन उबलता रहे। अगर स्थायी तौर पर समाज में उबाल बनाए रखने की मंशा नहीं होती तो एक झटके में सरकार सारे धर्मस्थलों को बदल सकती है। संसद में सरकार के पास पूर्ण बहुमत है, जिसके दम पर वह 1991 में बने धर्मस्थल कानून को बदल सकती है। लेकिन वह ऐसा नहीं कर रही है। क्योंकि एक झटके में कोई काम नहीं करना है। इसलिए मथुरा और काशी का मामला निचली अदालत से शुरू हुआ है और अभी सर्वेक्षण कराने के स्टेज पर है। सोचें, अदालतें कह रही हैं कि किसी भी धर्मस्थल का सर्वेक्षण कराने से धर्मस्थल कानून का उल्लंघन नहीं होता है। फिर किस चीज से उल्लंघन होगा? जब धर्मस्थल कानून की परवाह किए बगैर इस तरह पंडोरा बॉक्स खोला जाएगा तो फिर अंत में क्या होगा, इसका अंदाजा किसको नहीं है! अगर किसी सर्वे से पता चल जाए कि अमुक मस्जिद की जगह पहले मंदिर था तो क्या फिर हिंदुओं को उस पर दावा करने से रोका जा सकेगा? इस तरह का विवाद न हो इसलिए धर्मस्थल कानून बना था। उस कानून के रहते ही अलग अलग जगहों पर विवाद की शुरुआत हो गई है।

इसके अलावा भी कई और काम किए जा रहे हैं, जिनका मकसद समाज में स्थायी तौर पर तनाव और विभाजन बनाए रखने का है। जैसे चार साल पहले नागरिकता कानून में संशोधन किया गया। जैसे तीन तलाक को सुप्रीम कोर्ट से अवैध घोषित करन के बाद उसे अपराध बनाने का कानून बनाया गया था। जैसे समान नागरिक संहिता की चर्चा गाहे-बगाहे छेड़ी जा रही है। जैसे मुस्लिम धर्मस्थलों पर अलग अलग हिंदू संगठनों द्वारा दावा किया जा रहा है। जैसे मुस्लिम नाम वाले शहरों, रेलवे स्टेशनों आदि के नाम बदले जा रहे हैं।

-हरिशंकर व्यास-

मौसम का कहर : प्रकृति पर क्या दोषारोपण

पिछले कुछ दिनों में हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, जम्मू कश्मीर और राजस्थान में हो रही अप्रत्याशित वर्षा ने कहर ढा रखा है।

इन राज्यों में बारिश और बाढ़ की भयावह तस्वीरें सामने आ रही हैं, दिल्ली में मानसून की वर्षा ने 40 साल का रिकॉर्ड तोड़ा है। दिल्ली की सड़कें स्विमिंग पूल नजर आई। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में तो ट्रक और कारें व्यास नदी में खिलौने की तरह बहती दिखीं मकान ताश के पत्तों की तरह बिखरते।

ऐसे दृश्य भारत में ही नहीं, बल्कि विश्व के अन्य देशों में भी नजर आ रहे हैं, जहां वर्षा ने अपना कहर ढाया है। प्रकृति की मार से कोई नहीं बचा है। चाहे विकसित हों या विकासशील हों, मनुष्य का सारा विकास प्रकृति के रौद्र रूप के सामने बौना साबित हुआ है। यह प्रकृति से हो रहे खिलवाड़ का नतीजा है। आपदाओं के विकराल रूप को देखते हुए मानव पर्यावरण संबंधों की समीक्षा की जरूरत है, विद्वानों का एक समूह इन घटनाओं के लिए वैश्विक ऊष्मन और जलवायु परिवर्तन को जिम्मेदार मानता है जबकि यह सिक्के का एक पहलू ही है। इन घटनाओं के वर्तमान स्वरूप का अन्य पक्ष नजरअंदाज किया जा रहा है। आज भारत ही नहीं, बल्कि संपूर्ण विश्व पर्यावरण से संबंधित अनेक समस्याओं की चिंताओं से पूर्णतया ग्रसित है। वर्तमान समय में बड़ी ज्वलंत समस्या वैश्विक ऊष्मन (ग्लोबल वॉर्मिंग) जनित समस्या सार्वभौमिक जलवायु परिवर्तन की है।

कहा जा रहा है कि मानव जनित भूमंडलीय ऊष्मन से जलवायु में स्थानीय, प्रादेशिक और वैश्विक स्तरों पर अल्पकालिक से लेकर दीर्घकालिक परिवर्तन हो रहे हैं। यूएनओ के जलवायु परिवर्तन की अध्ययन रिपोर्ट के पैनल आईपीसीसी ने अपने अध्ययनों से प्रमाणित किया है कि भूमंडलीय स्तर पर धरातली सतह और निचले वायुमंडल के तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है, और हम लोगों ने मान लिया है कि जलवायु परिवर्तन ही समस्या की जड़ है। लेकिन विश्व स्तर पर जलवायु की दशाएं अतीत से वर्तमान तक कभी स्थिर नहीं रही, बल्कि इसमें अनेक बार परिवर्तन हो चुका है। अनेक पुरातत्विक प्रमाणों के आधार पर स्पष्ट होता है कि अतीत में अनेक बार जलवायु में भीषण परिवर्तन हो चुके हैं, जिनका प्रभाव पर्यावरण पर पड़ा था।

वर्तमान में जहां आज मरु स्थल है, वहां पहले पर्याप्त वर्षा के प्रमाण मिलते हैं। जलवायु परिवर्तन का व्यापक प्रभाव पर्यावरण पर अतीत में पड़ा था। वर्तमान में भी पड़ रहा है। पिछले कुछ दिनों की घटनाओं पर नजर डालें तो देखेंगे दिल्ली में सड़कों पर प्राकृतिक स्विमिंग पूल वहीं बने हैं, जहां मानव ने पानी निकलने के रास्तों को बंद (अतिक्रमण) कर रखा है, या नालियां कचरे से भरी हुई हैं। हिमाचल प्रदेश में वही भवन गिरे हैं, जो नदियों में बने हैं, वही गाड़ियां बही हैं, जो नदियों के रास्ते में खड़ी हैं, वही पुल बहे हैं, जो नदी का मार्ग रोक रहे हैं, वही सड़क टूटी हैं, जो पहाड़ को काट कर बनाई गई हैं, या नदी के किनारे हैं। लंबे समय तक ऐसी घटनाओं का कारण प्राकृतिक माना जाता रहा परंतु प्राकृतिक कारक ही ऐसी घटनाओं या उनके नुकसान का एकमात्र कारण नहीं है। ऐसी आपदाओं की उत्पत्ति का संबंध मानवीय क्रियाकलाप से भी है। वनों के कटान की वजह से पर्वतीय क्षेत्र में भूस्खलन और बाढ़, नदी के मार्ग में मानव अतिक्रमण, भंगुर पर्वतीय जमीन पर निर्माण कार्य और अवैज्ञानिक भूमि उपयोग कुछ उदाहरण हैं।

पर्यटक राज्य हिमाचल प्रदेश में विगत दशकों में पर्यटक संबंधी अवसंरचनाओं का व्यापक विकास हुआ है। होटल, रिसोर्ट, राजमार्ग का निर्माण इत्यादि मानवीय क्रियाओं ने यहां के पर्यावरण को व्यापक क्षति पहुंचाई है। ऐसी मानवीय क्रियाओं के समय पर्यावरण प्रभाव आकलन नहीं हुआ। पर्यावरणीय संवेदनशील क्षेत्र में भूमि उपयोग को सही से लागू नहीं किया गया। हिमाचल प्रदेश में व्यास नदी के आसपास के क्षेत्र में व्यापक आपदा का प्रभाव देखने को मिल रहा है, और इसका कारण नदी के बेहद करीब तक मानवीय निर्माण कार्य है। भारी अनियमित और असुरक्षित निर्माण कार्य हर तरफ हो रहा है और इन निर्माणों का कचरा भी नदियों में ही डाला जा रहा है। कमजोर पहाड़ों पर पर्यटकों की सुविधाओं के लिए फोरलेन हाइवे निकाला जा रहा है, हाइड्रो प्रोजेक्ट के लिए सुरंग बनाई जा रही है, जिससे पहाड़ और कमजोर हो रहे हैं। ये भूस्खलन को बढ़ा रहे हैं, भूस्खलन और खनन नदियों के मार्ग अवरुद्ध कर दे रहे हैं, और नदी अपना रास्ता बदल दे रही है। फलस्वरूप नदी के मार्ग में आई मानवीय संरचनाओं का नामोनिशान मिटा जा रहा है। मनाली से मंडी के बीच में ब्यास नदी ने अपना रास्ता बदल कर व्यापक क्षति पहुंचाई है। बढ़ती जनसंख्या की मांग की पूर्ति के लिए प्राकृतिक संसाधनों का दोहन इसके फलस्वरूप प्रदूषण इस समस्या के मूल में है। विकास के दबाव अधिकतर स्थितियों में इतने अधिक होते हैं कि अल्पकालिक फायदों की आशा में खतरे को अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है। आर्थिक विकास का वर्तमान स्वरूप इस संकट के लिए जिम्मेदार है।

डॉ. शैलेंद्र यादव

मेरा सच्चा साथी

मेरा सच्चा साथी माता और पिता है,
जिसने पालन-पोषण कर बड़ा किया।
मेरा सच्चा साथी महाज्ञानी गुरुदेव है,
जिसने मुझे काबिल बनने ज्ञान दिया।।
मेरा सच्चा साथी शिक्षामणी पुस्तक है,
जिसे पढ़कर मैंने सफलता प्राप्त की।
मेरा सच्चा साथी हर वो नेक इंसान है,
जिसने दुःख के समय में मेरी मदद की।।
मेरा सच्चा साथी शरीर के प्रत्येक अंग है,
जो मुझे कर्म करने के लिए किया प्रेरित।
मेरा सच्चा साथी हमउम्र के सभी मित्र है,
जो गुणों और अवगुणों को किये चित्रित।।
सच्चा साथी भगवान कृष्ण
और सुदामा थे,
केवल नाम सुनकर ही
प्रभु दौड़े चले आये।
विप्र के मनोकामना पूरी हुई,
खुशियाँ मिली,
सखा को भाव विभोर होकर
गले से लगाये।।

अशोक कुमार यादव
मुंगेली,
छत्तीसगढ़

माटी हमर धरोहर

छत्तीसगढ़ के पावन भुईयाँ
जेमा देव-धामी के डेरा हे
महामाई जिहाँ शीतला बिराजे,
जेमा ठाकुर-देवा के बसेरा हे।
दया-धर्म, कला-संस्कृति के,
जिहाँ राम-कथा के चौरा हे,
अईसे जिहाँ देवी-दाई बिराजे
जेकर सेवा म जवांरा-पचरा हे।
इही भुईया हर तीरथ बरोबर
इहिच म बसे चारो धाम हे
इहें बहे पुण्य पतीत-पावनी
दाई चित्रोत्पल्ला गंगा नाम हे।
जुग-जुग ले इहाँ धार बोहावय
जेकर लहरा हर यशगान करे हे
इहाँ के प्राचीन देव-देवाला ह
कला-संस्कृति के बखान करे हे।
ए माटी हर हमर धरोहर आए
पुरखा हमर ऋषि संत-बानी हे
गुरु-चेला जिहाँ महाप्रसाद के
मोक्ष-दुवार के अमर-कहानी हे।

अशोक पटेल आशु
शिवरीनारायन
छत्तीसगढ़

रिमझिम-रिमझिम भोले

रिमझिम-रिमझिम बूंदें गिरती,
देखो कैसी लगती हैं,
भोले के आने की सुन कर,
मुस्काती-सी लगती हैं।
रिमझिम -रिमझिम....
कहीं बिजलियां झूम के चमके,
तो बदली शरमाती है,
मेघ गर्जना सुन कर वह-भी,
भोले संग मुस्काती है।
रिमझिम -रिमझिम....
शिखरों से पानी की कल-कल,
हरदम गीत सुनाती है,
भोले की आहट पाकर वह,
सबका दिल बहलाती है।
रिमझिम -रिमझिम....
उमड़-घुमड़ कर छाती बदली,
सबका मन हर्षाती है,
रवि के संग कर लुका-छिपाई,
भोले के संग गाती है।
रिमझिम-रिमझिम....
आओ भोले के संग मिलकर,
धरा माटी श्रंगार करें,
जनजीवन मुस्कानें दें,
यह भोले से मनुहार करें।
रिमझिम -रिमझिम ...

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
गांधीनगर,
इन्दौर,(म.प्र.)

कहां है सरकार

सरकार एक ऐसी संस्था का नाम है जोकि सभी लोगों को समरसता से देखें, देश का विकास तथा कल्याण करें,, विभिन्न संप्रदायों तथा समुदायों में भाईचारा बनाने में मदद करें! सरकार का ईमानदार तथा निष्पक्ष होना बहुत जरूरी है! वर्तमान मोदी सरकार के आने से पहले 2014 में यूपी ए की कांग्रेसी सरकार की नाकामियों को देखते हुए और तत्कालीन गुजरात के मुख्यमंत्री, नरेंद्र मोदी के द्वारा लच्छेदार भाषण तथा आश्वासन देने वाले तथा समस्याओं को दूर करने वाले भाषणों से प्रभावित होकर मतदाताओं ने 2014 में और उसके बाद 2019 में दो तिहाई मत से भी ज्यादा विजय श्री का आशीर्वाद देकर सत्ता सौंपी थी! मोदी सरकार को हकूमत चलाते हुए लगभग 9 साल हो गए हैं और अब 2024 में संसदीय चुनाव होने की संभावना है! लेकिन इन 9 सालों में देश में आम जनता के लिए कितना सकारात्मक परिवर्तन हुआ, कानून व्यवस्था मैं सुधार आया, समाज के विभिन्न समुदायों, संप्रदायों तथा धर्मों में किस तरह आपसी मेल मिलाप बढ़ा इसे भी ध्यान में रखना चाहिए। आम जनता के हित को देखते हुए रोजगार, कीमतें, स्वास्थ्य सुविधाएं, शिक्षा, पीने का पानी, नारी अस्मिता, चीन, पाकिस्तान, नेपाल, श्रीलंका, म्यांमार आदि पड़ोसी देशों के साथ हमारे संबंध कैसे रहे इसका पता भी सरकारी कारगुजारी से चल सकता है। यूं कहने को तो सरकार यह दावा करती है कि हम विश्व की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं, प्रधानमंत्री मोदी को कई विदेशी सरकारों ने उच्च सामानों से सुशोभित किया है। सरकार समर्थक यह कहते हैं यह सारा मोदी के प्रयत्नों से ही हुआ है। सरकार ने आम लोगों की भलाई के लिए कई कार्यक्रम भी शुरू किए हुए हैं। 80 करोड़ों लोगों को 5 किलो अनाज सरकार की तरफ से मुफ्त में दिया जा रहा है, आदि आदि बातें सरकार की उपलब्धियों के बारे में कहीं जा सकती हैं

लेकिन जरा तस्वीर का दूसरा रुख भी तो देखिए। अगर किसी व्यक्ति से यह पूछा जाए कि सरकार के इन 9 वर्षो में आपको व्यक्तिगत तौर पर क्या फायदा हुआ है। जो मोदी समर्थक हैं दूसरे शब्दों में जिनको वर्तमान प्रशासन के कारण कुछ ना कुछ लाभ मिल रहा है, वो तो मोदी का गुणगान करेंगे ही। उनका कहना है कि जिस सभा में जाते हैं वहां पर... मोदी.. मोदी... के नारे लगने शुरू हो जाते हैं। क्या यह सारा कुछ मोदी सरकार की लोकप्रियता तथा सफलता को बताने के लिए काफी नहीं। लेकिन इन 9 सालों में देश की आर्थिक स्थिति सेंसेक्स तथा विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि के बावजूद भी आम लोगों की आर्थिक स्थिति बद से बदतर हो गई है। कुछ तो कोरोना के कारण आर्थिक क्रियाएं ठप हो गई जो धीरे-धीरे पटरी पर आ रही है, बेशक सरकार ने कोरोना संकटकाल में लोगों को मुफ्त में टीके लगवाए, लेकिन इसके बावजूद भी इस महामारी का इलाज करने में पूरी तैयारी ना होने के कारण जो लोग मारे गए, शमशान भूमि में दाह संस्कार की सुविधा ना होने के कारण लाशों का सड़कों पर दाह संस्कार करना पड़ा उससे सरकार की पोल खुल जाती है। कुछ अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं का तो यह कहना है कि सरकार कोरोना के कारण होने वाली वास्तविक मौतों की संख्या छुपा रही है। बहरहाल, इस मामले में मुफ्त टीकाकरण के बावजूद भी सरकार को क्लीन चिट नहीं दी जा सकती।

सरकार ने जिस तरह से देश में.... एक देश, एक टैक्स ... का नारा लगा कर का नारा लगाकर जीएसटी लागू किया उसने भी बहुत सारे लोगों का काम धंधा चौपट कर काम धंधा चौपट कर दिया। जीएसटी के कारण राज्यों की करो से प्राप्त आमदनी कम हो गई कम हो गई है जोकि संविधान के मुताबिक संघीय व्यवस्था के खिलाफ है। जी एसटी को लेकर सरकार स्वयं भी स्पष्ट नहीं है तभी तो अभी तक इस की दरों के बारे में यह अंतिम यह

फैसला नहीं कर सकी और बार-बार इसे परिवर्तन इसे परिवर्तन करना पड़ता है।

जिस तरह सरकार ने नोट बंदी को लेकर फैसला किया उससे भी अर्थव्यवस्था को नुकसान हुआ! इसका कोई फायदा तो नहीं हुआ! नाही काले धन में तो नहीं हुई और ना ही आतंकवाद को रोका जा सका! पूछा जा सकता है कि सरकार का दो दो बार नोटबंदी करना किस प्रकार से उचित था! इस नोट बंदी के कारण लोगों को असुविधा बहुत हुई और उनका व्यवसाय भी चौपट हो गया!

इन सबसे ऊपर आजकल जिस तरह विभिन्न समुदायों में आपस में अविश्वास, नफरत, हिंसा चल रही है उससे लगता है सरकार नाम की कोई चीज देश में है ही नहीं! 3 महीने से ज्यादा से मणिपुर चल रहा है! वहां आगजनी, लूटमार, थानों से हजार लूटना और उनका कुक्की तथा मैतई समुदायों द्वारा एक दूसरे के विरुद्ध प्रयोग करना, हत्या तथा महिलाओं का नंगा करके परेड कराना, उनका गैंग रेप करके हमको मार देना आदि बातें सरकार के ना होने का सबूत है। मणिपुर की राज्यपाल ने भी इस हिंसा का विरोध किया है। कानून तथा व्यवस्था के चरमरा जाने से वहां के मुख्यमंत्री को बर्खास्त करके राष्ट्रपति शासन लगा देना चाहिए। अब आगे को प्रधानमंत्री मोदी किस तरह से डबल इंजन की सरकार के फायदे लोगों को बता कर उनसे वोट लिया करेंगे।

कुछ दिन पहले जयपुर से मुंबई जाने वाली एक ट्रेन में आरपीएफ के एक सिपाही द्वारा एक सब इंस्पेक्टर तथा तीन व्यक्तियों की हत्या करना संप्रदायिक ध्रुवीकरण का प्रणाम प्रतीत होता है। इतना ही नहीं हरियाणा में मेवात के नूह इलाके में हिंदुओं के धार्मिक जुलूस के ऊपर आक्रमण करना तथा देश विरोधी लोगों का गाड़ियों, दुकानों आदि को जला देना सरकार की इस स्थिति से निपटने के लिए पूरी तैयारी का ना होना ही बताता है। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों को आदेश दिया है कि तुरंत प्रभाव से हेट स्पीच पर अंकुश लगाना चाहिए। एक और अजीब बात यह है कि कुश्ती संघ के अध्यक्ष, बृजभूषण पर महिला पहलवान खिलाड़ियों का यौन शोषण की एफ आई आर दर्ज है उस पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही दिल्ली की पुलिस तथा प्रशासन उसे पूरण संरक्षण दे रहा है क्या अगर कोई और व्यक्ति होता जिस पर उपर्युक्त आरोप लगे होते और एफ आई आर दर्ज होती है तो क्या हुआ है इसी तरह घूम फिर सकता था। इस मामले में सरकार का भेदभाव का रवैया साफ झलकता है!

जब से संसद का वर्तमान अधिवेशन शुरू हुआ है, मणिपुर हिंसा को लेकर विपक्ष प्रधानमंत्री द्वारा संसद में आकर बयान देने के लिए जोर लगा रहे हैं लेकिन प्रधानमंत्री हैं उन्हें संसद में आने का समय ही नहीं मिलता। संसद के अधिवेशन को हर रोज स्थापित करना पड़ता है और विपक्ष के बिना बहुत सारे कानून पास हो जाते हैं जो कि उचित नहीं! वह कभी विदेशी दौरे में व्यस्त हैं, कभी किसी उद्घाटन समारोह मैं व्यस्त हैं और कभी किसी चुनावी रैली में जा रहे हैं! पूछा जा सकता है जब मणिपुर जल रहा है तो प्रधानमंत्री सदन में आकर उसके बारे में सांसदों को स्पष्टीकरण क्यों नहीं देते! यह वही सदन है जिसमें पहली बार प्रवेश करने से पहले उन्होंने इसका माथा टेका था! अब यहां आने से वो झेंप क्यों रहे हैं। वह 140 करोड़ संख्या वाले सभी लोगों के प्रधानमंत्री हैं। यह उनका कर्तव्य है कि वह चुनाव प्रचार या विदेशों में जाने के बदले में सदन में आकर सरकार द्वारा विभिन्न मुद्दों पर स्पष्टीकरण दें।

प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक
हरियाणा

सफलता के पीछे अंतर्निहित निरंतर श्रम और संकल्प की गाथा

कठोर श्रम का कोई विकल्प नहीं

बड़ी सफलता के पीछे निरंतर कठोर श्रम और दृढ़ संकल्प का समावेश होता है यह कल्पना करना छोड़ दीजिए की सफलता और धन रातो रात प्राप्त होते हैं इसके लिए दूरदर्शी योजनाओं और कठिन परिश्रम की परम आवश्यकता होती है और सफलता के नेपथ्य में सदैव श्रम संकल्प और निरंतरता के साथ किया गया श्रम ही होता है अनवरत श्रम हमेशा सफलता की ओर मार्ग प्रशस्त करता है इसमें यदि दृढ़ संकल्प ,संयम की युती भी हो तो सोने पर सुहागा होगीद्य हर कदम पर सफलता आपके कदमों पर होगीद्य हमें सदैव वर्तमान में जीना चाहिए, इतिहास से शिक्षा लेनी चाहिए और भविष्य के प्रति सकारात्मक सोच के साथ आगे सदैव अग्रसर होते रहना चाहिए। किसी भी राष्ट्र को बड़ा बनाने या समृद्ध बनाने के लिए वर्षो की मेहनत अथक प्रयास और सकारात्मक सोच के साथ संयम एवं उच्च मनोबल की आवश्यकता होती है, तब जाकर ही राष्ट्र एक मजबूत तथा विकासवान राष्ट्र बन पाता है। आजादी के 75 वर्ष के बाद भारत ने विकास की गति को बहुत मजबूती के साथ थामा हुआ है। 135 करोड़ की जनसंख्या वाले देश में युवा जनसंख्या का प्रतिशत बहुत ज्यादा है, आने वाले भविष्य में देश की बागडोर इन्हीं युवा हाथों में होने वाली है। एक बहुत अच्छी कहावत है कि आशाओं पर आकाश टिका हुआ है और निसंदेह आशा,उम्मीद, संभावना बहुत ही सारगर्भित एवं चमत्कारिक शब्द भी हैं। उम्मीद जो इतिहास में कई बार चमत्कार करती आई है। यह आशा एवं उम्मीद का ही प्रतिफल है कि हम सकारात्मक होकर उच्च मनोबल के साथ किसी लक्ष्य की तरफ आगे बढ़ते है। फिर यदि लक्ष्य मेडिकल साइंस में किसी नई दवा को इजाद करना हो या स्पेस रिसर्च में नई टेक्नोलॉजी लाना हो या देश मे विकास की नई धारा को प्रवाहित करना हो, तो सकारात्मक ऊर्जा हमें इस संदर्भ में मदद करने वाला तत्व होता है। अच्छी और सही सोच हमेशा अच्छे परिणाम देने वाला होती है, पर बिना सकारात्मक सोच के और बिना किसी सार्थक परिणाम की कल्पना किए हुए उस पर पसीना बहाना बड़ा ही दुष्कर कार्य प्रतीत होता है। अच्छे पद अथवा अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी सकारात्मक सोच और उच्च मनोबल तथा संयम को लेकर ही आगे अपनी तैयारी करता है एवं उच्चतम अंक या उच्च पद की प्राप्ति करता है। कोई भी खिलाड़ी ओलंपिक में बिना पदक की लालसा के तैयारी नहीं कर सकता और पदक को लक्ष्य मानकर जब वह पूर्ण मनोबल के साथ आशाओं की लकीरों के मध्य वह जब अपना पसीना मैदान में बहाता है तो वह लक्ष्य प्राप्ति की ओर लगातार अग्रसर होता है और उसे अंत में अपनी सकारात्मक ऊर्जा के कारण वह पदक अवश्य प्राप्त होता है। दार्शनिक भी कहते हैं कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए एक बेहतर और अच्छी शुरुआत सफलता का बहुत बड़ा हिस्सा होती है। हम संभावनाओं के दम पर जो हमें निरंतर प्रेरित करती है अपना पहला कदम उठाकर सफलता सुनिश्चित करते हैं। जीवन की कटु सच्चाई तथा जिंदगी के उतार-चढ़ाव को झेलने के लिए एवं सफलता की ओर अग्रसर होने के लिए हमें आशा एवं सकारात्मक सोच की सदैव मदद करती इसके बिना किसी सफलता के बारे में सोचना भी बेमानी होगा। संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए हमें अपने संपूर्ण मनोबल के साथ उस कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी तरफ से पूरी पूरी कोशिश करनी होगी एवं लक्ष्य के साथ दे तथा साधनों के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर उस के संदर्भ में उसके अंतर्निहित हर तत्व को भलीभांति पहचान कर उस पर मेहनत करनी होगी अन्यथा बड़े लक्ष्य की प्राप्ति के लिए यदि मेहनत और कठोर श्रम न किया जाए तो असफलता ही हाथ लगती है ।यही वजह है कि जिन भी बड़े लोगों ने बड़ी सफलता प्राप्त की है निसंदेह उन्होंने कठिन परिश्रम अपने लक्ष्य के लिए किया था, है और करेंगे। हर बड़े कार्य को करने के लिए अच्छी योजना ,अच्छा आकलन एवं उस सफलता को अपना बनाने के लिए सही विचार तथा नीतियां बनानी होगी एवं अपने उपलब्ध संसाधनों का विश्लेषण तथा अवलोकन कर उसकी क्षमता का आकलन करना होगा। केवल हवा में सकारात्मक सोच और मनोबल के दम पर किसी बड़े लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता। उत्तम एवं बड़े सकारात्मक लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एक बड़ी सोच अथक मेहनत एक सुनियोजित नीति एवं पृष्ठभूमि में शांत चित्त मस्तिष्क की आवश्यकता होती है।

सर्वप्रथम हमारे सामने जो उपलब्ध वर्तमान का समय है वर्तमान के अवसर संपूर्ण सदुपयोग कर भविष्य की तमाम सफलताओं को सुनिश्चित किया जा सकता है। हमें सदैव चौकन्ना रहकर जो हमारे सामने समय सीमा है एवं समय के अवसर हैं उन्हें पहचान कर उसका संपूर्ण दोहन कर उपलब्ध संसाधनों का परीक्षण कर समेकित रूप से सब का समुचित उपयोग कर लक्ष्य की प्राप्ति की ओर जागृत होना चाहिए। जैसा कि हमारे प्रधानमंत्री ने कहा की करोना काल में हमें आपदा में अवसर की तलाश करनी चाहिए और अवसर ही हमें किसी भी विकट परिस्थिति से लड़ने एवं उस पर नियंत्रण रखने की शक्ति एवं ऊर्जा प्रदान करते हैं। यह सकारात्मक सोच का ही परिणाम है की कोविड-19 के संक्रमण में भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में उस पर प्रभावी नियंत्रण किया एवं उस पर विजय प्राप्त की है। यह आसान काम नहीं था किंतु पूरे देश के नागरिकों एवं अग्रिम नेताओं की सकारात्मक सोच तैयारी एवं संसाधनों के समुचित प्रयोग से ही संभव हो पाया। आज हमारे सामने समाज में जो भी हमारे प्रेरणा स्त्रोत हैं, वे कभी चुनौतियों के सामने झुके नहीं और ना ही उन्हें किसी प्रकार की समाजिक कठिनाई अथवा चुनौती झुका पाई और यही कारण है की वह हमारे प्रेरणा स्त्रोत बने हुए हैं। इस संदर्भ में हर व्यक्ति को सकारात्मक सोच रख कर अपने मौजूदा संसाधनों का संपूर्ण दोहन कर सटीक नीति और भविष्य की योजनाएं बनाकर उस पर मेहनत करनी होगी और मेहनत से उपजे आत्मबल तथा संयम के साथ किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए संपूर्ण ऊर्जा समेकित रूप से केंद्रित कर उस लक्ष्य की प्राप्ति करनी होगी। नागरिकों के समेकित प्रयास अच्छी सोच और कड़ी मेहनत से ही संपूर्ण राष्ट्र वैश्विक स्तर पर एक आदर्श तथा प्रेरणादायक राष्ट्र बनने की क्षमता की ओर आगे बढ़ सकता है।

जिले में अभी भी 53 प्रतिशत औसत से कम बारिश

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 06 अगस्त 2023 (घटती घटना)।

पिछले 5 दिनों से सरगुजा का मौसम खराब है। 3 दिनों तक झमाझम बारिश के बाद 2 दिनों से फुहारे की तरह रुक-रुक कर बारिश हो रही है। लगातार बारिश होने से लोगों के जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार एक चक्रवात के कारण लगातार बारिश हो रही है। चक्रवात अब धीरे-धीरे कमजोर होना शुरू हो गया है। इस कारण पिछले 2 दिनों से फुहारों की तरह बारिश हो रही है। वहीं मौसम विभाग का मानना है कि रविवार के बाद मौसम साफ होने की उम्मीद है। वहीं पिछले 5 दिनों से सूर्य के दर्शन नहीं हुए हैं। लगातार हो रही बारिश के कारण लोगों के स्वास्थ्य पर भी इसका असर पडना शुरू हो गया है। बच्चे व बुजुर्गों को खासी परेशानी हो रही है। मौसम विज्ञानी ए एम भट्ट के अनुसार उत्तरी बंगाल की खाड़ी पर विकसित हुआ अवदाब अब धीरे-धीरे कमजोर हो रहा है। इस कारण पिछले 2 दिनों से फुहारों की तरह बारिश हो रही है। इधर जून जुलाई के महीने में सूखे की स्थिति के बीच सरगुजा में 44 प्रतिशत रकबा भूमि पर धान की रोपाई हो पाई थी। अब 1 अगस्त से लगातार हो रही बारिश से किसानों के चेहरे खिल उठे हैं और पिछले 5 दिनों में रोपाई का प्रतिशत बढक़र 52 पहुंच गया है। अभी भी सरगुजा में 47 से 48 प्रतिशत रकबा खाली है। वही सरगुजा में अभी रूपा का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है।

सोमवार से मौसम साफ होने की उम्मीद

मौसम विज्ञानी एएम भट्ट ने बताया कि चक्रवात अब धीरे-धीरे कमजोर होना शुरू हो गया है। इसलिए झमाझम बारिश की बजाय फुहारों की बौछार हो रही है। वहीं सोमवार से मौसम साफ होने की उम्मीद है। जबकि रविवार की दोपहर तक मौसम इसी तरह बना रहेगा। फुहारों की बौछार रुक-रुक कर होती रहेगी। लगातार बारिश होने के कारण अधिकतम तापमान 26 व न्यूनतम 22 डिग्री सेल्सियस पहुंच चुका है।

अभी भी 53 प्रतिशत कम बारिश

मौसम विभाग के अनुसार पिछले 5 दिनों में सरगुजा में 300 मिलीमीटर बारिश हुई है। 1 जून से 5 अगस्त तक अंबिकापुर में 551 मिलीमीटर वर्षा हुई है। वही सरगुजा में अभी भी 53 प्रतिशत औसत से कम वर्षा हुई है।

कीचड़ से सनी सडक़ पर ग्रामीणों ने लगाया रोपा

-संवाददाता-
अंबिकापुर,06 अगस्त 2023 (घटती घटना)।

ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए शासन द्वारा भेजी जा रही राशि भ्रष्टाचार के भेंट चढ़ जा रही है। गांव का विकास नहीं हो रहा है। इसका उदहारण ग्राम पंचायत दरिमा के झूमर पारा में गांव में देखा जा रहा है। सडक़ की मरम्मत नहीं होने से सडक़ कीचड़ में सराबोर हो चुका है। उक्त सडक़ पर ग्रामीणों का चलना मुश्किल हो चुका है। सडक़ की समस्या को लेकर ग्रामीणों द्वारा सरपंच सचिव से अवगत कराने के बावजूद भी कोई पहल नहीं की जा रही है। इससे लोगों में काफी आक्रोश व्याप्त है। वहीं सडक़ की दुर्दशा से आक्रोशित ग्रामीणों ने सडक़ पर धान की रोपाई कर विरोध जताया।

कृषि विभाग द्वारा दवा,खाद एवं बीज दुकानों का किया गया औचक निरीक्षण

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 06 अगस्त 2023 (घटती घटना)।

कलेक्टर कुंदन कुमार के निर्देशानुसार कृषि विभाग के उड़नदस्ता दल द्वारा विकासखण्ड लखनपुर व उदयपुर के व्यवसायियों के दुकानों का सत्यापन तथा संधारित दस्तावेजों का निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। उपसंचालक कृषि विभाग ने बताया कि किसानों को उचित दामों व गुणवत्ता युक्त दवा, खाद एवं बीज आसानी से मिल सके इस हेतु निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान मेसर्स मां दुर्गा कृषि सेवा केन्द्र लखनपुर द्वारा बगैर लायसेंस नवीनीकरण कराये बीज विक्रय करते पाया गया जिसे बीज विक्रय पर प्रतिबंधित कर समय-सीमा में नोटिस का जवाब प्रस्तुत करने सात दिवस का समय दी गया है। इसके अलावा खाद, दवा दुकानों का निरीक्षण कर भौतिक सत्यापन तथा अभिलेखों का अद्यतन रखने सहित पॉस मशीन के माध्यम से ही खाद व्यवसाय करने का निर्देश दिया गया।

निरीक्षण दल में जिला स्तरीय उड़नदस्ता के नोडल अधिकारी कृषि के सहायक संचालक श्री जीएस धुर्वे, सहायक नोडल अधिकारी सुरेन्द्र अहिरवार, अमित सिंह, निर्वाही सहायक के रूप में सावन कुमार रावत उपस्थित थे।

पथरीले रास्तों से होकर नक्सल प्रभावित क्षेत्र पहुंचे आईजी

आगामी विधानसभा चुनाव के मध्य नजर रखते हुए आईजी ने नक्सल प्रभावित क्षेत्र का किया दौरा

-संवाददाता-
कुसमी, 06 अगस्त 2023 (घटती घटना)।

नव पदस्थ आईजी अंकित गर्ग पुलिस अधीक्षक बलरामपुर डॉ. लाल उमेद सिंह के साथ पथरीले रास्तों से होकर थाना सामरी पाठ अंतर्गत झारखंड बॉर्डर के नक्सल प्रभावित क्षेत्र ग्राम चुनचुना-पुंदाग पहुंचे। नक्सल प्रभावित क्षेत्र में सेवा दे रहे जवानों से रू-बरू होकर उनकी समस्याओं को सुना। आईजी द्वारा नक्सल प्रभावित क्षेत्र मैं तैनात पुलिस एवं सीआरपीएफ के जवनों से मिलकर उनका उत्साहवर्धन किए। आगामी विधानसभा चुनाव के मध्य नजर रखते हुए नक्सल प्रभावित क्षेत्र में निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न कराने को लेकर रणनीति बनाई गई। इस दौरान आईजी ने जवानों का हौसला अफजाई करते हुए कहा कि आपकी लगन मेहनत व आम जनता के लोगों के सेवा भावना बहुत ही प्रेरणादायक है। पुलिस के जवानों पर आमजन का विश्वास कम नहीं होना चाहिए। इसी उद्देश्य के साथ हमें साथ मिलकर कार्य करना है। साथ ही उन्होंने कहा कि हम सभी अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए कार्य कर रहे हैं। निश्चित ही इस क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियां सहित अन्य कारकों से आप सभी परिचित हैं। आईजी ने कहा कि भुताही सीआरपीएफ कैंप का निर्माण होने से हमें निश्चित ही नक्सली गतिविधियों को जीरो टॉरलेंस करने में सक्षम होंगे। पिछले कुछ वर्षों में प्रतिहिंसा की गतिविधियां कम हुई है और हमने शांति स्थापित करने में सफलता पाई है। उन्होंने जवानों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि हमें अपने-अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभाने और एक दूसरे की मदद करते हुए उनका हाथ थामें। जिला पुलिस बल के साथ केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल का अपेक्षित सहयोग प्राप्त हो रहा है। जिला बलरामपुर में नक्सल उन्मूलन एवं शांति सुरक्षा व्यवस्था कायम करने में जिले में तैनात केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल का भरपूर सहयोग प्राप्त हो रहा है जिससे पूरे नक्सल प्रभावित क्षेत्र में शांति व्यवस्था स्थापित है। भ्रमण के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चंद्रेश कुमार ठाकुर, उप पुलिस अधीक्षक नक्सल ऑपरेशन डीके सिंह, रक्षित निरीक्षक बलरामपुर विमलेश देवांगन सहित सीआरपीएफ एवं जिला बल के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

घुमंतू पशुओं को मुख्य मार्ग से हटाने चलाया जा रहा अभियान

मनेंद्रगढ़ 06 अगस्त 2023 (घटती घटना)। कलेक्टर नरेंद्र कुमार दुग्गा के निर्देशानुसार जिले में घुमंतु पशुओं के कारण से क हादसों से होने वाले पशु हानि एवं जनहानि से बचाव हेतु राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अन्य मार्ग के आस-पास घुमंतु पशुओ में रेडियम बेल्ट लगाने एवं टैग लगाने का अभियान चलाया जा रहा है। नगर पालिका के कर्मचारियों के द्वारा सभी नगरीय निकाय के मुख्य मार्ग एवं चौक-चौराहों में घुमने वाले घुमंतु पशुओं के गले में रेडियम बेल्ट एवं पशुपालन विभाग द्वारा कानो में टैग लगाया जा रहा है।

कलेक्टरदुग्गा ने बताया कि रेडियम बेल्ट लगाने से रात में वाहनों की हेड लाईट की रौशनी से पशुओं को बांधे जाने वाले बेल्ट चमकते हैं जिससे वाहन चालक सतर्क हो जाते हैं। इससे आमजनों के साथ-साथ पशु भी घायल होने से बच जाते हैं। इस सार्थक प्रयास से एमसीबी में रात्रि में होने वाली से क दुर्घटनाओं को कम किया जा रहा है।

अम्बिकापुर विधानसभा से पिछड़ा वर्ग को टिकट दिए जाने की मांग

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 06 अगस्त 2023 (घटती घटना)।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष माननीय अरूण साव जी को ओबीसी महासभा (सर्व समाज प्रमुख) अम्बिकापुर सरगुजा संभाग के संभागीय प्रवक्ता आनंद सिंह यादव के नेतृत्व में अम्बिकापुर विधानसभा (क्रमांक-10) में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समाज के उम्मीदवार को भाजपा से आगामी चुनाव में टिकट दिये जाने मांग पत्र सौंपा गया। जिसमें उल्लेख किया गया है कि अम्बिकापुर विधानसभा क्षेत्र में मुख्य रूप से यादव समाज, साहू समाज, गुप्ता समाज, रजवार समाज, सोनी समाज, जायसवाल समाज, कुशवाहा समाज, महंत (पनिका) समाज, सोनडीक समाज, कोईरा समाज, कुम्हार समाज, रोनियार समाज, हलवाई समाज, लोहार समाज, कहार समाज, कलवार समाज, गोस्वामी समाज, बारी समाज, नाई समाज सहित अन्य काफी संख्या में ओबीसी समाज के लोग निवासरत हैं तथा छत्तीसगढ़ प्रदेष में कुल 52 प्रतिशत ओबीसी निवासरत् हैं जिसमें से अम्बिकापुर विधानसभा में 66 प्रतिशत ओबीसी समाज के लोग निवासरत हैं। अम्बिकापुर विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी द्वारा पिछले कई वर्षों से ओबीसी समाज के उम्मीदवार को टिकट नहीं दिये जाने एवं उपेक्षित किये जाने पर भारी असंतोष हैं। जिस पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरूण साव जी विचार कर अम्बिकापुर विधानसभा मे टीकट देने हेतु आश्वासन दिया गया!! इस दौरान समाज के सभी पदाधिकारियों द्वारा आभार व्यक्त किया गया। ज्ञापन सौंपते समय प्रदेश महासचिव जनकराम साहू, संभागीय अध्यक्ष सरगुजा संभाग मनीष दीपक साहू, संभागीय प्रवक्ता सरगुजा संभाग आनंद यादव, प्रदेश संरक्षक मंत राम यादव, कार्यकारी जिलाध्यक्ष पंकज गुप्ता, कोषाध्यक्ष, साहू समाज संभागीय अध्यक्ष,उपेन्द्र गुप्ता, प्रयाग साहू, ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष, जयसवाल समाज से राजेन्द्र जयसवाल, संतोष जायसवाल, सोनी समाज संभागीय प्रभारी, अशोक गुप्ता, प्रदेश अध्यक्ष रौनीयर समाज, रजवाड़े समाज दधिबल राजवाड़े, डा दिप्ती दुरंधर जिला अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ, अनीता साहू उपाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ, रामू साहू जिला संरक्षक, अजित नावीक जिला संयोजक, ओबीसी बिलासपुर ओबीसी समाज के काफी संख्या मे सदस्य एवं समाज प्रमुख उपस्थित थे।

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर होगा भव्य आयोजन

कलेक्टर ने बैठक लेकर विभागों को दिए तैयारियों के संबंध में ज़रूरी दिशा निर्देश

-संवाददाता-
अंबिकापुर,06 अगस्त 2023 (घटती घटना)।

09 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर सरगुजा जिले में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने रविवार को बैठक लेकर आवश्यक तैयारियों के संबंध में सभी विभागीय अधिकारियों को ज़रूरी दिशा-निर्देश दिए।

कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु विभागों को सौंपे गए दायित्व-कार्यक्रम के बेहतर क्रियान्वयन हेतु जिला पंचायत सीईओ श्री नूतन कुमार कंवर को नोडल अधिकारी एवं अपर कलेक्टर श्री अमृतलाल ध्रुव को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। पुलिस अधीक्षक कार्यक्रम स्थल, हेलीपैड स्थल एवं सभी भ्रमण स्थल में यातायात, पार्किंग, बैठक व्यवस्था एवं भीड़ प्रबंधन के साथ-साथ संपूर्ण कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था के नोडल अधिकारी होंगे। जिला पंचायत सीईओ विभिन्न कार्यों के शिलान्यास-लोकार्पण कार्य के लिए आवश्यक व्यवस्था के नोडल अधिकारी एवं नगर निगम आयुक्त को आवश्यक समन्वय व्यवस्था सहित समस्त विभागों को दायित्व सौंपे गए हैं। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में वनाधिकार पत्रक का वितरण, शासकीय योजनाओं के अंतर्गत विभिन्न हितग्राहियों को हितग्राहीमूलक सामग्री एवं दस्तावेजों का वितरण एवं विशिष्ट प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ सुंदर, रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक कुमार, सीईओ जिला पंचायत श्री नूतन कुमार कंवर, अपर कलेक्टर श्री एएल ध्रुव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री विवेक शुक्ला, समस्त एसडीएम एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

महापौर डॉ. अजय तिर्की ने कौशल प्रशिक्षण पर फोकस करने युवाओं का बढ़ाया उत्साह, कलेक्टर ने कहा - इरादे मजबूत रखकर आगे बढ़ते रहें

रोजगार मेला में 70 से ज्यादा युवाओं को मिले जॉब ऑफर लेटर

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 06 अगस्त 2023 (घटती घटना)।

जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, अम्बिकापुर एवं जिला कौशल विकास प्राधिकरण के संयुक्त तत्वाधान में रविवार को जिला मुख्यालय अंबिकापुर के लाइवलीहुड कॉलेज में रोजगार मेले का आयोजन हुआ। रोजगार मेले में 400 से भी ज्यादा युवाओं ने पंजीयन कराया। रोजगार मेले की शुरुआत में नगर निगम अम्बिकापुर महापौर डॉ अजय तिर्की ने युवाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि तकनीकी शिक्षा के माध्यम से आप स्वयं को परिपूर्ण करें तथा परिवार का नाम रोशन करें, आज यहां रोजगार मेले में युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे, आप सभी को इसके लिए शुभकामनाएं। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने रोजगार मेले के समापन पर बेरोजगारी भत्ता प्राप्त करने वाले 73 युवाओ को जॉब ऑफर लेटर भी प्रदान किया। उन्होंने युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि शासन द्वारा बेरोजगार युवाओ को प्रति माह बेरोजगारी भत्ता प्रदान करने का मूल उद्देश्य उन्हें इस राशि के माध्यम से स्वयं के पैरों में खड़े होने में मदद करना है। इन युवाओं को विभिन्न कोर्स में प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ाया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती, आप सभी अपने इरादे फौलादी रखें और आगे बढ़े। रोजगार मेले में विभिन्न कम्पनियों के निजी नियोजक एस.बी.आई. लाईफ इन्शोरेन्स, फ्यूजन माईक्रो फाईनेंश लिमिटेड, सेल्फ इन्टेलिजेंस सिक्यूरिटी सर्विस, मॉ महेश्वरी ऑनलाईन सेन्टर, श्री राम फाईनेंश कॉरपेरेशन प्रा. लिमिटेड, संतोष ताम्रकर (ठेकेदार), सांई ईलेक्ट्रीकल, आर.बी. सिंह ईलेक्ट्रीकल, रिलायंस निप्पोन लाईफ इन्श्योरेंश कम्पनी लिमिटेड एवं एसआईएस लिमिटेड द्वारा 400 से अधिक पद भर्ती हेतु निर्धारित किये गए जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने हिस्सा लिया।

तीसरी क्लास के बाद पढ़ाई बंद, लड़कियों की शिक्षा पर तालिबान ने लगाई रोक

काबुल । तालिबान ने एक बार फिर लड़कियों की शिक्षा पर रोक लगा दी है। नये फरमान में कहा है कि अब लड़कियां केवल तीसरी कक्षा तक ही पढ़ सकती हैं, इसके बाद उनका स्कूल जाना बंद कर दिया है। साथ ही 10 साल से ऊपर की लड़कियां अब प्रायमरी स्कूलों में नहीं पढ़ेंगी। गौरतलब है कि तलिबान हमेशा से अपने क्रूर फैसलों के कारण सुर्खियों में रहता है। अब हाल ही में तालिबान की सरकार ने महिलाओं की पढ़ाई पर रोक लगाने से हड़कंप मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वहां की सरकार ने एक नया फरमान जारी करते हुए कहा कि तीसरी कक्षा के बाद अब लड़कियां स्कूल नहीं जा पाएंगी भले ही उनकी उम्र 10 साल से ज्यादा क्यों न हो। इसके लिए उन्होंने स्कूल और एजुकेशन इंस्टीट्यूट्स को भी वॉर्निंग दे दी है कि 10 साल से ऊपर की सारी लड़कियां अब प्राइमरी स्कूल में नहीं पढ़ेंगी। आपको बता दें कि इससे पहले तालिबान में लड़कियों की सिर्फ 6वीं कक्षा तक ही स्कूलों में पढ़ने की इजाजत थी परंतु अब सरकार ने और भी कम कर दिया है। इससे पहले महिलाओं को ब्यूटी पार्लर और नौकरी करने के लिए भी प्रतिबंध है। वहां पर महिलाओं को ड्राइविंग लाइसेंस देना भी बंद कर दिया गया और बुरके व किसी पुरुष साथी के बिना महिलाओं की टैक्सी सवारी पर भी प्रतिबंध लगाया हुआ है। इस अमल में लाने के लिए तालिबानी सरकार ने अब स्कूलों और शिक्षा केंद्रों को भी निर्देश दे दिया है कि लड़कियां को प्राइमरी स्कूलों में जाने की अनुमति न दी जाए। भले ही उनकी उम्र 10 साल से ज्यादा क्यों न हो। शिक्षा मंत्रालयों के अधिकारियों ने स्कूलों और अल्पकालिक प्रशिक्षण कक्षाओं के प्रिंसपलों से भी यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि 10 साल से ज्यादा उम्र की लड़कियां अब प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ने की अनुमति न दी जाए। वहीं रिपोर्ट्स की मानें तो कई जगहों में गुड एंड प्रोहिबिशन मंत्रालय के स्थानीय अधिकारियों ने लड़कियों को उनकी उम्र को देखते हुए अलग करने और लड़कियों के स्कूल चलाने वाले प्रिंसिपलों से तीसरी कक्षा से ऊपर के बच्चों को वापस भेजने के लिए भी कहा है। इस पर छठी कक्षा की एक लड़की ने मीडिया को बताया कि हमें कहा है कि लंबी और 10 साल से ज्यादा उम्र की लड़कियों को अब स्कूल में प्रवेश नहीं करने देंगे। हालां?कि सार्वजनिक मामलों के मंत्रालय के प्रवक्ता मोहम्मद सादिक अकाफ ने इसका खंडन करते हुए कहा कि प्रशासन ने ऐसा कुछ भी नहीं किया है और अगर ऐसा है तो इस बात का संबंध शिक्षा मंत्रालय से ही होगा। गौरतलब है कि दो साल पहले तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा किया था जिसके बाद लड़कियों को छठी(6वीं) कक्षा के बाद स्कूलों में जाने के लिए रोक लगा दी थी।

बाढ़ के कहर ने ले ली 30 की जान, लाखों लोग हो गए बेघर

बीजिंग । चीन में इन दिनों भयंकर बाढ़ आई हुई है। जिसके कारण अभी तक 30 लोगों की जान चली गई है। वहीं लाखों लोगों के बेघर होने के समाचार हैं। चीन में टाइफून डोक्सुरी के मुख्य भूमि से टकराने से भीषण बारिश हुई। यहां पर बारिश ने चीन के 140 साल के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। बीजिंग और उसके 150 किलोमीटर के क्षेत्र में बाढ़ का भयावह मंजर दिखाई दे रहा है। यहां शनिवार दोपहर 4 बजे तक, बाओडिंग के 11.5 करोड़ निवासियों में से 60 लाख से अधिक लोगों को जोखिम वाले क्षेत्रों से निकाला गया। वहीं, पूर्वोत्तर चीन में शनिवार को हुई मूसलाधार बारिश ने रूस और उत्तर कोरिया की सीमा से लगे प्रांतों को बुरी तरह प्रभावित किया है। गौरतलब है कि चीन पिछले महीने से प्राकृतिक आपदा का सामना कर रहा है। यहां जुलाई में भीषण गर्मी के साथ साथ बाढ़ भी कहर मचाए हुए था। अब बीजिंग में टाइफून डोक्सुरी से भीषण बारिश हो रही है। यहां जुलाई से अब तक 142 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 147 लोगों की गायब होने की खबर है। इससे पहले चीन में 1998 में यांगत्जे नदी में आए भीषण बाढ़ में 4,150 लोगों की मौत हुई थी।

वैज्ञानिकों ने खोजा मलेरिया का बैक्टीरिया

वाशिंगटन। जॉन्स हापकिंस विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने, स्पेन की जीएसके फार्मास्युटीकल के साथ मिलकर शोध किया। जिसमें डॉक्टर जेनिथ रोड्रिग्स ने मच्छरों की भर्ती संक्रमण दर देखी, पाया कि टीसी 1 नाम का प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाला बैक्टीरिया, मच्छरों की आंतों में मलेरिया पैरासाइट को पैदा करने से रोक देता है। यह बैक्टीरिया एक बार मच्छरों में घुस जाए,तो उनके पूरे जीवन काल तक बना रहता है। इस बैक्टीरिया में मच्छरों में मलेरिया फैलाने की क्षमता को 73 फ़ीसदी तक कम करने में सफलता हासिल की है। शोधकर्ताओं के अनुसार मलेरिया से निपटने का बड़ा मददगार शोध साबित हुआ है। भविष्य में मलेरिया की रोकथाम के लिए इस शोध का बहुत बड़ा लाभ होगा।

दक्षिणी कोरिया में गर्मी से लोग परेशान

दक्षिणी कोरिया । दक्षिण कोरिया में दम घोंटू गर्मी ने लोगों को मुश्किल में डाल दिया है। यहां इन दिनों विश्व स्काउट जंबूरी में भाग लेने वाले हजारों यूके और यूएस स्काउट्स गर्मी से परेशान हो गए हैं। अब इन युवाओं के शिविर को हटाकर होटलों में शिफ्ट किया जा रहा है। इस सप्ताह शुरू हुए इस आयोजन में 158 देशों से 43,000 युवा स्काउट्स शामिल हुए हैं, जिनमें ब्रिटेन का दल सबसे बड़ा 4,500 है। दक्षिणी कोरिया में गर्मी के कारण लोग बीमार हो रहे हैं। सैकड़ों युवाओं को दवाई की जरूरत पड़ी है। दो दिन पहले 138 लोगों ने गर्मी से संबंधित बीमारियों के साथ क्लिनिकों और अस्पतालों का दौरा किया, जिससे कुल संख्या 700 से अधिक हो गई। एक बयान में यूके स्काउट्स ने कहा कि युवाओं और वयस्क स्वयंसेवकों को होटल आवास में ले जाना शुरू कर दिया है। इसमें कहा गया है, चूंकि हम सबसे बड़े दल हैं, हमारी आशा है कि इससे साइट पर दबाव कम करने में मदद मिलेगी। जब हम जंबूरी में थे, यूके की स्वयंसेवी टीम ने आयोजकों के साथ बहुत मेहनत की है, हमारे युवा सदस्यों और वयस्क स्वयंसेवकों को उन्हें बनाए रखने के लिए पर्याप्त भोजन और पानी, असामान्य रूप से गर्म मौसम से आश्रय प्रदान करने के लिए, और इस पैमाने के आयोजन के लिए उपयुक्त शौचालय और धुलाई की सुविधाएं उपलब्ध करवाई है।

उल्कापिंड से बनाया गया था एलियन हथियार

बर्न। वैज्ञानिकों ने अध्ययन के बाद दावा किया है कि उल्?कापिंड से एलियन हथियार बनाया गया था। स्विटजरलैंड की झील में मिला यह हथियार करीब 3 हजार साल पुराना है और इसे एलियन हथियार करार दिया जा रहा है। अब यूनिवर्सिटी ऑफ बॉन के शोधकर्ताओं ने इस हथियार की जांच की है और पाया कि इसे एक उल्कापिंड से बनाया गया था। यह हथियार 1.5 लंबा है और इसका वजन केवल 0.102 औंस है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस हथियार को स्विटजरलैंड के कांसा युग के पुरास्थल मोरीगेन से पाया गया था। विशेषज्ञों ने अपने टेस्ट में पाया कि यह हथियार अलूमिनम-26 से बना है जो एल्युमिनियम के केमिकल एलिमेंट का एक रेडियो एक्टिव आइसोटोप है। यह धातु हमारे शुरुआती सोलर सिस्टम में बहुतायत में पाया जाता था। शुरू में माना जाता था कि यह आइसोटोप केवल सुपरनोवा या विशाल सितारों के चारों ओर पाया जाता था लेकिन हालिया शोध में यह पता चला है कि सूरज जैसे सितारे अपने जन्म के बाद ही इसे पैदा कर सकते हैं। यह रहस्यमय सामग्री किसी भी तरह से धरती पर स्वाभाविक नहीं है। इसके एक तीर में लगे होने की वजह से वैज्ञानिक इसे समझ नहीं पा रहे थे। इस सामग्री के स्रोत का पता लगाने के लिए वैज्ञानिकों ने पता लगाया कि यूरोप में उस दौरान केवल तीन उल्कापिंड इस तरह की धातु वाले थे जो यहां गिरे थे। शोधकर्ताओं का कहना है कि एक उल्कापिंड इस्टोनिया में गिरा था और स्विटजरलैंड से दूरी होने के बाद भी यह वही हो सकता है। यह भी माना जाता है कि कामासाइट और टिआनाइट मिनरल धरती पर केवल इसलिए पाए जाते हैं क्योंकि वे अंतरिक्ष से गिरे हैं। इन मिनरल का इस्तेमाल फैशन के लिए किया जाता है। यह हथियार 19वीं सदी में मूल रूप से लेक बिएल में पाया गया था जो पश्चिमी स्विटजरलैंड के जूरा इलाके में स्थित है। इस हथियार को बर्न हिस्ट्री म्यूजियम में रखा गया है।

फंड की कमी के कारण अफगानिस्तान में राहत के कामों में आ रही दिक्कत

जिनेवा । संयुक्त राष्ट्र के मानवतावादियों ने कहा कि फंड की कमी के कारण अफगानिस्तान में 21 मिलियन से अधिक लोगों के राहत में कमी करने को मजबूर होना पड़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) के हवाले से कहा गया कि साल के आधे से अधिक समय बीतने के साथ अफगानिस्तान में लगभग आधी आबादी के लिए 3.2 बिलियन डॉलर सहायत की अपील की तुलना में 25 प्रतिशत से भी कम राशि मिली है।

पुर्तगाल में विश्व युवा दिवस पर लोगों का हाथ हिलाकर अभिवादन करते हुए पोप फ्रांसिस।

यूक्रेन का महायुद्ध रोकने सऊदी में हो रही बैठक, भारत भी होगा शामिल

रियाद । यूक्रेन का युद्ध रोकने के लिए सऊदी अरब में शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इसमें भारत भी शामिल होने जा रहा है। जानकारी के अनुसार भारत यूक्रेन की शांति योजना पर शनिवार से तटीय शहर जेद्दा में होने वाले दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेगा। सऊदी अरब की ओर से इस सम्मेलन के लिए चुनिंदा देशों को आमंत्रित किया गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बताया कि बैठक में भारत की भागीदारी उसकी लंबे समय से चली आ रही स्थिति के अनुरूप होगी। जिसमें बातचीत और कूटनीति से ही यूक्रेन संकट को हल करने का रास्ता खोजा जाना है। सम्मेलन में आमंत्रित देशों में कई यूरोपीय देशों के अलावा अमेरिका, चीन और भारत शामिल हैं। बागची ने कहा कि जेद्दा में यूक्रेन पर सऊदी अरब की ओर से आयोजित एक बैठक में भारत को आमंत्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत इस कार्यक्रम में भाग लेगा और हमारी भागीदारी हमारी लंबे समय से चली आ रही स्थिति के अनुरूप है कि बातचीत और कूटनीति ही आगे बढ़ने का रास्ता है। हालांकि, बागची ने यह जानकारी साझा नहीं की कि इस सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व कौन करेगा। विदेश मंत्रालय ने यह भी नहीं बताया कि भारत की भागीदारी का स्तर क्या होगा। उन्होंने आगे कहा कि भारत की सितंबर में अगले जी20 शिखर सम्मेलन में यूक्रेन से संबंधित कोई बैठक आयोजित करने की कोई योजना नहीं है। मई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिरोशिमा में जी7 शिखर सम्मेलन के मौके पर यूक्रेन राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के साथ व्यक्तिगत रूप से बातचीत की थी।

पाक सरकार ने जनगणना के नतीजों को मंजूरी दी, आम चुनाव में हो सकता है विलंब

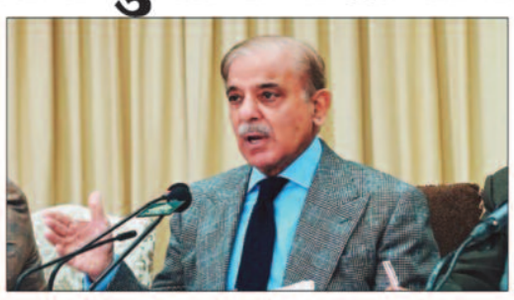

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के एक शीर्ष संवैधानिक निकाय ने नई जनगणना के नतीजों को शनिवार को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी, जिससे देश में आम चुनाव में थोड़ा विलंब हो सकता है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में 'काउंसिल ऑफ कॉमन इंटरेस्ट' (सीसीआई) की हुई बैठक में योजना मंत्रालय ने बताया कि पाकिस्तान की आबादी 24.01 करोड़ हो गई है। इस बैठक में कैबिनेट मंत्रियों, प्रांतीय मुख्यमंत्रियों के साथ-साथ अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया। बैठक में शामिल हुए सभी लोगों ने सर्वसम्मति से मार्च और अप्रैल में की गई जनगणना के नतीजों को मंजूरी दे दी।

जनगणना कर्मियों ने घर-घर जाकर आंकड़े जुटाए हैं, जबकि लोगों के पास ऑनलाइन माध्यम से भी अपने परिवार का विवरण देने का विकल्प था। इसके बाद, पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) के लिए जरूरी है कि वह चुनाव के लिए पूरे देश में नए चुनावी जिलों को निर्धारित करने के वास्ते परिसीमन की कवायद नए सिरे से शुरू करे, जिससे नेशनल असेम्बली (संसद) का मौजूदा कार्यकाल खत्म होने के बाद 60 या 90 दिन की अवधि में चुनाव कराने की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है।ईसीपी के पूर्व सचिव कंवर दिलशाद ने पहले जियो न्यूज को बताया था कि अगर सीसीआई ने 2023 की जनगणना को मंजूरी दे दी, तो चुनाव 2024 में होंगे। उन्होंने कहा था, 'अगर सीसीआई की सिफारिश पर नई डिजिटल जनगणना की गजट अधिसूचना जारी की जाती है।

तो ईसीपी संविधान के अनुच्छेद 51(5) के तहत नए सिरे से परिसीमन करने के लिए कानूनी रूप से बाध्य है।' अगर नेशनल असेम्बली अपना कार्यकाल पूरा करती है तो इसके 60 दिन के अंदर चुनाव कराने होंगे और अगर नेशनल असेम्बली को अपना कार्यकाल पूरा करने से एक दिन पहले भी भंग किया जाता है, तो चुनाव 90 दिनों में कराए जा सकते हैं। मौजूदा नेशनल असेम्बली का कार्यकाल 12 अगस्त को पूरा हो रहा है। सरकार नौ अगस्त को संसद भंग कर देगी, ताकि चुनाव के लिए 90 दिनों का वक्त मिल सके। फिर भी वक्त पर चुनाव कराना मुमकिन नहीं होगा। कानून मंत्री आज़म तरार ने जियो न्यूज को बताया कि सीसीआई ने जनगणना के नतीजों को मंजूरी दे दी और उसके फैसले के बाद, ईसीपी को निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन करने के लिए कम से कम 140 दिनों की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'यह ईसीपी को तय करना है कि चुनाव कब होंगे।' मंत्री ने यह भी कहा कि नेशनल असेम्बली में सीट की संख्या और प्रांतों की हिस्सेदारी वही रहेगी। तरार ने यह भी साफ किया कि चुनाव होने तक कार्यवाहक सरकार देश का शासन चलाएगी और इस पर कोई कानूनी रोक नहीं है।

अफगानिस्तान के हिन्दु कुश में आया जोरदार भूकंप, हिल गए भारत-पाकिस्तान

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान के हिन्दु कुश क्षेत्र में शनिवार रात आए तेज भूकंप के झटकों के कारण भारत व पाकिस्तान भी हिल गए। यह भूकंप 5.8 की तीव्रता से आया, जिसे राजधानी दिल्ली सहित उत्तर भारत के कई हिस्सों में महसूस किए गए। मिली जानकारी के अनुसार अफगानिस्तान के पर्वतीय क्षेत्र में रात नौ बजकर 31 मिनट पर भूकंप आया और दिल्ली तक लोग कांप गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के हिंदुकुश क्षेत्र में अक्षांश पर 36.38 डिग्री उत्तर और देशांतर पर 70.77 डिग्री पूर्व में स्थित था। हालांकि अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण अफगानिस्तान में अक्सर तेज भूकंप आते रहते हैं जो भारत और पाकिस्तान में भी महसूस किए जाते हैं। आपको बता दें कि अफगानिस्तान एक ऐसे क्षेत्र में स्थित है जहां कई टेक्टोनिक प्लेटें मिलती हैं, जिस वजह से यह भूकंपीय गतिविधियों के प्रति संवेदनशील है। यह हिन्दु कुश पहाड़ी इलाके में स्थित है जो अल्पाइड बेल्ट का हिस्सा है जो पैसिफिक रिंग ऑफ फायर के बाद भूकंपीय रूप से दुनिया का दूसरा सबसे सक्रिय क्षेत्र है। यह बेल्ट पश्चिम में यूरेशियन और अफ्रीकी प्लेटों और पूर्व में इंडो-ऑस्ट्रेलियाई और यूरेशियन प्लेटों से मिलकर बनी है। विशेषज्ञ बताते हैं कि जब इन प्लेटों में गतिविधि होती है, तो ये दबाव और तनाव पैदा करती हैं जिसके परिणामस्वरूप भूकंप आते हैं। यह क्षेत्र इंडियन, यूरेशियन और अरब टेक्टोनिक प्लेटों के बीच की सीमा पर स्थित है। इन प्लेटों के टकराने से भूकंपीय तरंगें पैदा होती हैं, जिसके परिणामस्वरूप भूकंप आते हैं। बता दें कि हिन्दु कुश पर्वत श्रृंखला अफगानिस्तान और पाकिस्तान से होकर गुजरती है। अफगानिस्तान में पिछले साल आए भीषण भूकंप ने भयानक तबाही मचाई थी जिसमें 1 हजार लोगों की मौत और करीब 1500 घायल हुए थे।

ऑस्ट्रिया में भयंकर बाढ़ के हालात, लैंडस्लाइड व भारी बारिश ने मचाया कहर

स्लोवेनिया (एजेंसी)। ऑस्ट्रिया में इन दिनों भयंकर बाढ़ के हालात बने हुए हैं। यहां स्लोवेनिया के उत्तरपूर्वी और मध्य भागों में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन से कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई है। इस बीच, ऑस्ट्रिया में कारिंथिया की लवैंटल घाटी में सेंट पॉल के निवासियों को भी भारी बारिश और बाढ़ के बीच ऊपरी मंजिलों पर रहने और बेसमेंट और पुलों से बचने के लिए कहा गया। स्लोवेनियाई पर्यावरण एजेंसी ने मेरिबोर और सेल्जे के साथ-साथ राजधानी जुब्लजाना में 24 घंटों के भीतर एक महीने की भारी बारिश के बाद रेड अलर्ट जारी किया है। देश के मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक कम से कम अगले 24 घंटों तक भारी बारिश जारी रहेगी। स्लोवेनिया में अधिकारियों ने नदियों के तेजी से बढ़ने के कारण अन्य क्षेत्रों में अधिक बाढ़ की भी चेतावनी दी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक स्लोवेनिया में बाढ़ प्रभावित शहर मेडवोड के मेयर, नेज्क स्मोल ने कहा कि शुक्रवार की शुरुआत में बाढ़ के बाद, यह पहले ही स्पष्ट हो गया था कि यह एक सामान्य बाढ़ की घटना नहीं होने वाली है। पुलिस प्रवक्ता माजा एडलेसिक ने मीडिया को बताया कि मौसम संबंधी घटनाओं में पिछले 24 घंटों में तीन लोगों की मौत हो गई है।

मीडिया में आई रिपोर्ट के अनुसार, तूफान से प्रभावित क्रांज के आसपास के पहाड़ों में मारे गए लोगों में दो डच नागरिक भी शामिल थे। अधिकारियों ने उफनती सविंजा नदी के किनारे सेल्जे शहर के कुछ हिस्सों में कई हजार लोगों को निकालने का आदेश दिया है। ऐसा तब हुआ जब इसी नदी ने लजुब्नो शहर में घरों को बहा दिया और भूस्खलन का कारण बना। स्लोवेनियाई मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, बाढ़ के कारण राजधानी जुब्लजाना को देश के उत्तर से जोड़ने वाले राजमार्ग के साथ-साथ कुछ रेलवे लाइनें भी बंद हो गई हैं। इससे अब तक, लगभग 16,000 घरों को बिजली कटौती का सामना करना पड़ा है और कई गांवों से संपर्क टूटने की सूचना मिली है। देश के नागरिक सुरक्षा प्रमुख स्रेको सेस्टन ने कहा कुछ इलाके पूरी तरह से कट गए हैं और उनसे संपर्क करना भी मुश्किल हो गया है। ऑस्ट्रिया में दक्षिणी राज्य कैरिंथिया के कुछ गांवों की सड़कें भी अवरुद्ध हो गईं।

उत्तर कोरिया ने तेज की युद्ध की तैयारियां, रूस को होगी गोला-बारूद की सप्लाई

-किम जोंग उन पहुंचे हथियारों की फैक्ट्री में, तैयारियों का लिया जायजा

प्योंगयांग (एजेंसी)। (ईएमएस)। उत्तर कोरिया युद्ध के दौरान रूस का साथ देने की तैयारी में जुट गया है। इस सिलसिले में नेता किम जोंग उन ने तोपखानों और परमाणु संपन्न बैलिस्टिक मिसाइलों की जानकरी ली है। इसके लिए उन्होंने लॉन्चिंग व्हीकल बनाने वाली फैक्ट्रियों समेत देश के अहम हथियार उत्पादन केंद्रों का दौरा किया है। इस दौरान उन्होंने अपनी सेना को आधुनिक हथियारों से लैस करने के प्रयास और युद्ध से जुड़ी तैयारियां तेज करने का संकल्प लिया है। किम का यह तीन दिवसीय दौरा ऐसे वक्त में हुआ है, जब उत्तर कोरिया के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए अमेरिका और दक्षिण कोरिया इस महीने संयुक्त सैन्य अभ्यास के अगले चरण की शुरुआत के लिए तैयार हैं। उत्तर कोरिया के मिसाइल परीक्षण और अमेरिका-दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यासों के कारण कोरियाई प्रायद्वीप में तनाव चरम पर है। हालांकि किम इन सैन्य अभ्यासों को आक्रमण का अभ्यास बताते हैं। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि किम का हथियार फैक्ट्रियों का दौरा रूस के साथ संभावित सैन्य सहयोग से जुड़ा हो सकता है। गौरतलब है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अन्य देशों से यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में सहयोग देने की अपील की है, जिसके तहत उत्तर कोरिया मॉस्को को हथियार और गोला-बारुद की आपूर्ति कर सकता है।

उत्तर कोरिया से मिली आधिकारिक जानकारी के अनुसार, किम ने बड़े कैलिबर की तोपें बनाने वाली एक अज्ञात फैक्ट्री का निरीक्षण करने के दौरान उत्तर कोरिया की युद्ध संबंधी तैयारियों में फैक्ट्री की जिम्मेदारियों और कार्यों पर जोर दिया। किम ने गोलों की गुणवत्ता में सुधार लाने, प्रणोदक ट्यूब के निर्माण की अवधि घटाने और विनिर्माण की गति बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक और तकनीकी कदम उठाने के फैक्ट्री के प्रयासों की सराहना की, लेकिन नए प्रकार के गोले बनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। एक अन्य फैक्ट्री में किम ने कहा कि सेना के लिए वाहनों की आपूर्ति बढ़ाना सबसे बड़ी प्राथमिकता है और उन्होंने उत्पादन के लिए एक ठोस नींव तैयार करने के लिए कर्मियों की तारीफ की।

प्योंगयोंग में उत्तर कोरियाई शीर्ष नेता किम जोंग उन एक हथियर फैक्टी में निशाना लगाकर देखते हुए।

किम ने हथियारों की एक छोटी फैक्ट्री का भी दौरा किया और सैनिकों की ओर से इस्तेमाल किए जा रहे हथियारों को उन्नत बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। अमेरिका और दक्षिण कोरिया से बढ़ते टकराव के मद्देनजर किम रूस और चीन से अपनी साझेदारी मजबूत करने पर कोशिश कर रहे हैं। इसके साथ ही वह अपने आपको कूटनीतिक रूप से अलग-थलग किए जाने की कोशिशों को चुनौती दे रहे हैं और अमेरिका के खिलाफ एक संयुक्त मोर्चे में शामिल होने का प्रयास भी इस दौरान कर रहे हैं।

पुतिन पर भड़के जापान के पीएम किशिदा, याद दिलाया हिरोशिमा का दर्द

-अमेरिका द्वारा गिराए गए परमाणु बम से लाखों निर्दोष लोगों की चली गई थी जान

टोक्यो (एजेंसी)। हिरोशिमा में परमाणु बम हमले की 78वीं बरसी पर जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने रूस पर जमकर भड़ास निकाली है। हिरोशिमा में आयोजित एक कार्यक्रम में किशिदा ने रूस और पूरी दुनिया को याद दिलाया है कि जापान दुनिया का इकलौता देश है जिसने इन हमलों का दर्द झेला है। हालांकि इधर रूस और यूक्रेन का युद्ध अब परमाणु हमले की कगार पर पहुंच चुका है। यही वजह है कि लोग अब हिरोशिमा पर अमेरिका द्वारा गिराए गए बम कांड को याद करके सिंहर उठते हैं। यह खतरा छह अगस्त 1945 को जापान के हिरोशिमा ने पहला परमाणु बम झेला था। अमेरिका की तरफ से हुए इस हमले में करीब 140,000 लोग मारे गए थे। हमले के 78 साल बाद आज दुनिया फिर रूस यूक्रेन जंग की वजह से परमाणु हमले की खतरे की तरफ बढ़ रही है। जापान के पीएम ने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के खत्म होने के कुछ दिन पहले जापान के दो शहरों हिरोशिमा और नागासाकी पर गिराए गए परमाणु बमों ने दुनिया को हिलाकर रख दिया था। पीएम किशिदा ने कहा कि जापान, युद्ध में परमाणु बमबारी झेलने वाला इकलौता देश था और इस वजह से परमाणु मुक्त दुनिया की दिशा में प्रयास जारी रखेगा।

पीएम ने कहा कि परमाणु निरस्त्रीकरण और रूस के परमाणु खतरे की वजह से अंतरराष्ट्रीय समुदाय में गहराते मतभेदों की वजह से इस दिशा में रास्ता कठिन होता जा रहा है। किशिदा का कहना था कि इस स्थिति को देखते हुए, परमाणु मुक्त दुनिया को हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ाना होगा और यह आज के समय में और भी ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। बता दें कि किशिदा, हिरोशिमा के ही रहने वाले हैं। उनका कहना था कि परमाणु हथियारों से हिरोशिमा और नागासाकी में हुई तबाही कभी दोहराई नहीं जानी चाहिए। किशिदा का बयान ऐसे समय में आया है जब पूर्व रूसी राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने परमाणु हथियारों के प्रयोग पर बड़ा बयान दिया था। मेदवेदेव ने पिछले दिनों कहा था कि अगर यूक्रेन की तरफ से जवाबी हमले जारी रहेंगे तो फिर रूस को परमाणु हथियार का इस्तेमाल करना होगा।

क्या नवीन जिला बनाकर दो विधायक बिल्कुल हो गए सुस्त-सुस्त ?

यह लड्डू नया जिला बनने का खिलाया जा रहा है

- » क्या जिला बनाने मात्र से ही सारी जिम्मेदारी एम दोनों विधायकों की हुई खत्म ?
- » जिला बनने के बाद नहीं खत्म हुई क्षेत्र की समस्याएं
- » क्या जिला मात्र बना देने से ही 2023 का विधानसभा जीतेंगे दोनों विधायक ?
- » क्या जिला बनाने के मामले से ही अति आत्मविश्वास में विधानसभा क्रमांक 1 व 2 के विधायक चल रहे हैं ?

-रवि सिंह-

मनेंद्रगढ़, 06 अगस्त 2023 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ के विधायक नंबर एक और विधायक नंबर दो जब तक नवीन जिला नहीं बना था तब तक ऊर्जा से लबरेज थे, जिला बनने के बाद क्या उनकी ऊर्जा खत्म हो गई? क्या जिला बनाने तक की ही थी उनकी जिम्मेदारी थी? क्योंकि जिला बनने के बाद भी समस्याएं जस की तस हैं वहीं दोनों विधायक पस्त नजर आ रहे हैं। नवीन जिला को लेकर दोनों विधायक खूब उछल कूद कर रहे थे बता रहे थे कि नवीन जिला बनाने के लिए है पूरी तरीके से लगे हुए हैं अब जैसे ही नवीन जिला बन गया जिला अस्तित्व में आ गया अब इसके बाद दोनों विधायक पस्त दिख रहे हैं, ऐसा लग रहा है कि जिला बनाने के बाद अब वह थक गए हैं, जिला बनने मात्र से ही उन्हें 2023 विधानसभा में जनता चुनकर ले आएगी क्योंकि उन्होंने क्षेत्र को बहुत बड़ी उपलब्धि दी है पर यह उपलब्धि कितने खींचातानी के बीच मिली है यह भी किसी से छुपा नहीं है फिर भी विधायकों का अति आत्मविश्वास समझ के परे है बाकी समस्या जस की तस है और विधायक समस्याओं को छोड़ चुनाव की तैयारी में मस्त है। भरतपुर सोनहत विधायक की बात की जाए या मनेंद्रगढ़ विधायक की दोनो आजकल चुनावी तैयारियों में व्यस्त हैं। दोनो ही जनता की मूल समस्याओं से अलग अपनी दोबारा जीत सुनिश्चित करने में लगे हुए हैं।

ज्ञात हो की प्रदेश के मुखिया भूपेश बघेल ने 15 अगस्त 2021 को मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर को नवीन जिला बनाने घोषणा की थी। मनेंद्रगढ़ नगर वासियों ने हर्षोल्लास के साथ नगर भ्रमणकर खूब मिठाइयां बांटते हुए प्रदेश के मुखिया का एवं विधायकों को शुभकामनाएं बधाई दी। कोरिया जिले के विभाजन के बाद नया जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर की घोषणा के बाद जिला मुख्यालय के कार्यालय का उद्घाटन 9 सितंबर 2022 जिला कलेक्टर एवं जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय एमसीबी जिला में जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने पदभार ग्रहण किया। सवाल यह है क्या जिला बनाने के बाद मनेंद्रगढ़ नगर वासियों जैसे स्वास्थ्य विभाग से बेहतर सुबिधा मिल रही है? जिला पुलिस के रहते अवैध कारोबार क्या पूरी तरह से बंद हुआ? क्या राजस्व विभाग के मामले कम हुए? जिला के शिक्षा व्यवस्था में मनमानी नहीं चल रही? जिले के कई कार्यालय हैं जहां मनेंद्रगढ़ नगर वासियों को चक्कर काटेने पड़ रहे है। आए दिन जिला कलेक्टर कार्यालय में ज्ञापन सौंप कर फरियादी की मांग पूरी हो रही है क्या?

जिला बनने से बेहतर व्यवस्था हुआ विकास की थी उम्मीद

नवीन जिला की मांग लंबे समय से इसलिए हो रही थी ताकि क्षेत्र का बेहतर विकास हो सके और व्यवस्थाओं पर ज्यादा ध्यान दिया जा सकेगा क्योंकि क्षेत्रफल छोटा होगा और प्रशासनिक अधिकारियों के लिए पहुंचना आसान होगा पर जिला बनने को 1 साल होने को है पर अभी तक की स्थिति में सिर्फ विभाग का विस्तार ही हो रहा है लोगों को अभी भी विकास व सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा अभी भी कई काम के लिए पुराने जिले पर ही आश्रित है, जिला की सौगात देने वाले दोनों विधायक जिला बनने के बाद से सुस्त पड़ गए हैं आपसी प्रतिस्पर्धा में जुटे हुए हैं और अब उन्हें आगामी चुनाव की चिंता है इस बीच उनकी क्षेत्र की जनता का क्या हाल है उससे कोई लेना-देना नहीं।

अपने जिले की व्यवस्था पर नहीं है दोनों विधायक का ध्यान

नवीन जिला एमसीबी जब गठित हुआ साथ ही जब जिले की घोषणा हुई तब दोनो विधायक भरतपुर सोनहत विधायक साथ ही मनेंद्रगढ़ विधायक श्रेय लेने की होड़ में सारी सीमाएं लांघ गए थे और उन्होंने इस दौरान कोरिया जिले को लेकर भी टिप्पणी की थी जिसमे जिला ले आए किला छोड़ आए यह उनका बयान था, अब जब नवीन जिला पूरी तरह अस्तित्व में आ चुका है दोनो विधायक अपनी जिम्मेदारियां भूल गए हैं, अब उन्हें जिले की व्यवस्था को लेकर कोई ध्यान नहीं है, ताजा मामला जो स्वास्थ्य विभाग का ही घटा जिसमे जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खुली उसमे भी दोनो मौन ही रहे और कोई सार्थक पहल उनकी तरफ से नहीं देखा गया। जिले में आज भी मूलभूत सुविधाओं को लेकर ध्यान देने की जरूरत है जबकि जिला मूलभूत सुविधाओं को लेकर मोहताज है। अब विधायक चुनाव की तैयारियों में लग चुके हैं और वह अब अपनी नई पारी को लेकर चिंतित हैं उन्हे वर्तमान में जिले की व्यवस्था कैसे सुदृढ़ हो इसकी चिंता का समय नहीं है।

नवीन जिले बनने के बाद से भी लोग है परेशान

जब कोरिया जिले से अलग होकर नवीन एमसीबी जिला अस्तित्व में आया तब यह लगा की नया जिला तेजी से विकास करेगा, लोगों की समस्याओं का निराकरण होगा साथ ही उन्हें उनकी जरूरत पर नवीन जिले के निवासी होने पर त्वरित सहायता मिलेगी, लेकिन हो इसके विपरीत रहा है, आज भी लोग परेशान हैं और अपनी परेशानी में उन्हे यही लग रहा है की अविभाजित जिले में ही उनका रहना सही था। आज प्रशासन और जनप्रतिनिधि आपस में तालमेल से तो काम जरूर कर रहें हैं लेकिन जनता को उसका लाभ उस तरह नहीं मिल पा रहा है जैसा उन्हे मिलना चाहिए।

दो विधायक वाले जिले में प्रशासनिक व्यवस्था हलाकान करने वाली

दो-दो विधायक वाले जिले में प्रशासनिक व्यवस्था हलाकान करने वाली है,प्रशासन हावी है जनता परेशान है। प्रशासन जनप्रतिनिधियों की आवभगत में ही ज्यादा व्यस्त नजर आ रहा है। जनता के लिए समय ही नहीं है प्रशासनिक अधिकारियों के पास। दो दो विधायक होने के बाद जबकि जनता को त्वरित निराकरण का लाभ मिलना चाहिए था।

स्वास्थ्य शिक्षा व राजस्व विभाग में सिर्फ भ्रष्टाचार

जिले के स्वास्थ्य विभाग और राजस्व विभाग में भ्रष्टाचार का बोलबाला है,शिक्षा विभाग में एकलव्य आदिवासी विद्यालय में हुए भ्रष्टाचार की जांच भी केवल इसलिए लंबित है जबकि जांच में भ्रष्टाचार प्रमाणित हो चुका है क्योंकि मामला कांग्रेस नेता के पिता से जुड़ा है साथ ही एक विधायक के निज सचिव से जुड़ा है। कुल मिलाकर प्रशासन भ्रष्टाचार रोक पाने में भी विफल है और भ्रष्टाचार से एकलव्य आदिवासी विद्यालय जो की आदिवासी छात्रों के लिए शासन की महवाकांक्षी योजना है वह भी अछूता नहीं है वहां भी बच्चों के हक एवम अधिकार को कांग्रेस नेता के पिता सहित कुछ पार्टी के ही लोग डकार गए हैं। कार्यवाही जो की जानी है वह इसलिए नहीं हो रही है क्योंकि मामला सत्ताधारी दल के एक नेता के पिता और एक विधायक के खास समर्थक से जुड़ा हुआ है।

आबकारी विभाग में भी हुआ भ्रष्टाचार,एक ही शराब दुकान में हुई है 80 लाख के शराब की चोरी

भ्रष्टाचार का आलम यह है की आबकारी विभाग अंतर्गत संचालित एक शराब दुकान से 80 लाख की शराब गायब हो जाती है और उस गबन को छिपाने आबकारी विभाग जिले भर की शराब दुकानों से वसूली करता है और उस दुकान के गबन को छिपाता है। एक शराब दुकान से 80 लाख की शराब कहां गई इसकी जानकारी विभाग लेने की बजाए कार्यवाही करने की बजाए अन्य दुकानों को प्रेरित करता है की वह एक दुकान के गबन की भरपाई करें और भरपाई की राशि शराब में पानी मिलाकर वसूल करें। मामला सामने आने पर भी आबकारी विभाग के कानो पर जूं तक नहीं रेंगता न ही उन्हें किसी का भय ही सताता है और वह एक गबन को छिपाने अन्य को गबन करने प्रेरित करता है,इस बीच शराब में मिलावट के खेल को विभाग की भी मंजूरी मिलती है और शराब के शौकीनों से सेहत से खिलवाड़ की उन्हे खुली छूट मिल जाती है।

विक्रेता भूमि विक्रय करने लगा रहा तहसील और पंजीयक कार्यालय का चक्कर

- » अपने पद का दुरूपयोग करते हुये तहसीलदार पटना ने दिया स्थगन का आदेश
- » नियम से हटकर तहसीलदार ने उप रजिस्टार को लिखा पत्र,कहा जमीन क्रय न होने दिया जाये...

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 06 अगस्त 2023 (घटती-घटना)। काजल की कोठरी कहे जाने वाले राजस्व विभाग का अनोखा कारनामा सामने आया है जहां एक अनोखी बात सामने आयी कि किसी भूमि को विक्रय होने के बीच मे तहसीलदार ने निजी रूचि दिखाते हुये उप पंजीयक को पत्र लिखकर भूमि विक्रय पर रोक लगा रखा है। जबकि बिलासपुर उच्च न्यायालय के आदेश डब्लुपीसी 255/2020 में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि कोई भी प्रषासनिक अधिकारी किसी भूमि के क्रय विक्रय पर रोक नहीं लगा सकता यहां तक कि उप पंजीयक भी कार्यालय तहसीलदार को पत्र के जवाब में बताया गया है कि क्रय विक्रय की दस्तावेजो के पंजीयन की वैधानिक स्थिति यह है कि उसके पंजीयन पर किसी प्रकार की रोक सक्षम व्यवहार न्यायालय द्वारा ही लगायी जा सकती है।

क्या है पूरा मामला- भूमि विक्रेता धनेश्वर प्रसाद राजवाड़े आत्मज अमरनाथ निवासी ग्राम डुमरिया जिसने खसरा नं. 1023/2 रकबा 17 हे0 जो कि भूअभिलेख में धनेश्वर आत्मज अमरनाथ के नाम से दर्ज है। उक्त भूमि धनेश्वर को उनके बाबा शिवलाल द्वारा दिनांक 14.09.2018 को वसीयत के आधार पर प्राप्त हुआ था तथा वसीयत कर्ता की मृत्यू 05.08.2022 हो गयी थी। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का नामांतरण न्यायलय नायब तहसीलदार पटना ने 17.11.2022 को तहसील न्यायलय में पेष किया गया था। सम्पूर्ण कथन, ईश्तिहार बयान पटवारी प्रतिवेदन उपरांत उक्त भूमि धनेश्वर आत्मज अमरनाथ के नाम से

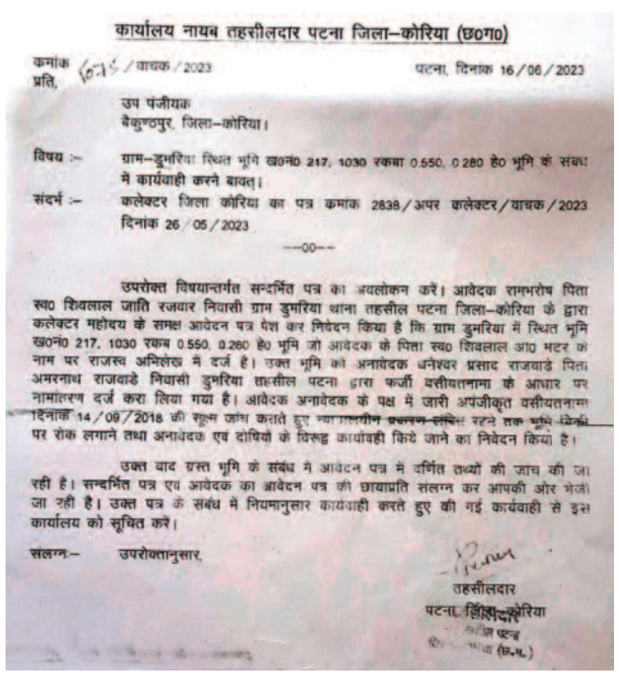

कार्यालय नायब तहसीलदार पटना जिला–कोरिया (छ0ग0)

क्रमांक /ब/2023 पटना, दिनांक 16/06/2023

प्रति,
उप पंजीयक
बैकुण्ठपुर, जिला–कोरिया।

विषय :– ग्राम–डुमरिया स्थित भूमि ख0नं0 217, 1030 रकबा 0.550, 0.280 हे0 भूमि के संबंध में कार्यवाही करने बाबत्।

संदर्भ :– कलेक्टर जिला कोरिया का पत्र क्रमांक 2838/अपर कलेक्टर/वाचक/2023 दिनांक 26/05/2023

---00---

उपरोक्त विषयान्तर्गत सन्दर्भित पत्र का अवलोकन करें। आवेदक रामभरोष पिता स्व0 शिवलाल जाति रजवार निवासी ग्राम डुमरिया थाना तहसील पटना जिला–कोरिया के द्वारा कलेक्टर महोदय के समक्ष आवेदन पत्र पेश कर निवेदन किया है कि ग्राम डुमरिया में स्थित भूमि ख0नं0 217, 1030 रकब 0.550, 0.280 हे0 भूमि जो आवेदक के पिता स्व0 शिवलाल आ0 मटर के नाम पर राजस्व अभिलेख मे दर्ज है। उक्त भूमि को अनावेदक धनेश्वर प्रसाद राजवाडे पिता अमरनाथ राजवाडे निवासी डुमरिया तहसील पटना द्वारा फर्जी वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण दर्ज करा लिया गया है। आवेदक अनावेदक के पक्ष में जारी अपंजीकृत वसीयतनामा दिनांक 14/09/2018 की सूक्ष्म जांच कराते हुए न्यायालयीन प्रकरण समाप्त होने तक भूमि बिक्री पर रोक लगाने तथा अनावेदक एवं दोषियों के विरूद्ध कार्यवाही किये जाने का निवेदन किया है।

उक्त वाद ग्रस्त भूमि के संबंध मे आवेदन पत्र मे वर्णित तथ्यों की जांच की जा रही है। सन्दर्भित पत्र एवं आवेदक का आवेदन पत्र की छायाप्रति संलग्न कर आपकी ओर भेजी जा रही है। उक्त पत्र के संबंध में नियमानुसार कार्यवाही करते हुए की गई कार्यवाही से इस कार्यालय को सूचित करे।

संलग्न:– उपरोक्तानुसार,

तहसीलदार
पटना, जिला–कोरिया

23.03.2023 को नायब तहसीलदार पटना द्वारा नामांतरण राजस्व आदेष पारित गया था। उक्त भूमि स्वयं के होने के उपरांत धनेश्वर द्वारा उक्त भूमि को विक्रय हेतू तहसील पटना को चौहदी आदेश के लिये आवेदन उपरांत दिनांक 10.05.2023 को अनुमति प्राप्त हुआ था। तत्पष्चात् 12.06.2023 को उप पंजीयक कार्यालय जाने पर ज्ञात हुआ कि न्यायालय नायब तहसीलदार पटना द्वारा उक्त भूमि पर खरीदी-ब्रिकी पर रोक लगाया गया है। दिनांक 06.06.2023 को कार्यालय नायब तहसीलदार पटना का पत्र प्राप्त हुआ जिसमें भूमि विक्रय पर रोक लगाने हेतू पत्र उप पंजीयक को जारी किया गया था। आवेदक धनेश्वर उक्त सम्बन्ध में कलेक्टर कोरिया, अनुविभागीय दण्डाधिकारी बैकुण्ठपुर सहित तहसीलदार को दिनांक 16.06.2023 को विक्रय से रोक हटाने हेतू निवेदन किया गया। तत्पश्चात् तहसीलदार चांदनी कवंर द्वारा दिनांक 15.06.2023 को पूर्व में उप पंजीयक को दिये गये पत्र को अपात्र करते हुये विक्रय पर रोक हटाया गया। परंतु दिनांक 16.06.2023 को कलेक्टर कोरिया के पत्र क्रमांक 2838 का सन्दर्भ में पुनः रोक रोक लगाते हुये जांच हेतू उप पंजीयक को पत्र प्रस्तुत किया गया। सम्पूर्ण जांच, बयान, पटवारी प्रतिवेदन होने उपरांत तहसीलदार पटना द्वारा जांच के सम्बन्ध में 06.07.2023 को कलेक्टर कोरिया को अनावेदक रामभरोस आत्मज शिवलाल निवासी ग्राम डुमरिया को अपीलीय न्यायलय में अपील प्रस्तुत कर अनुतोष प्राप्त करने का पत्र प्रस्तुत किया गया जिसकी प्रतिलिपि उप पंजीयक पी. द्विवेदी को प्रतिलिपि के माध्यम से दिया गया। कार्यालय कोरिया कलेक्टर द्वारा भी फर्जी वसीयत के आधार पर भूमि नामांतरण करा लेने के सम्बन्ध में प्राप्त पत्र 26.05.2023 शिकायतकर्ता रामभरोस आत्मज शिवलाल को सक्षम अपीलीय न्यायलय में अनुतोश प्राप्त करने का प्रतिवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया जिसकी प्रतिलिपि उप पंजीयक को देते हुये उक्त प्रकरण को नस्तीबद्ध किये जाने का उल्लेख है। परंतु दिनांक 02.08.2023 को उक्त भूमि पंजीयन हेतु पंजीयन कार्यालय जाने पर भी उक्त भूमि पर पंजीयक द्वारा दिनांक 16.06.2023 को जारी न्यायलय नायब तहसीलदार के पत्र के प्रतिउत्तर में उप पंजीयक द्वारा पत्र क्रमांक 63/उ0प0/20233 दिनांक 19.06.2023 को पत्र जारी करते हुयें स्वयं बताया गया है कि क्रय विक्रय की दस्तावेजो के पंजीयन की वैधानिक स्थिति यह है कि उसके पंजीयन पर किसी प्रकार की रोक सक्षम व्यवहार न्यायालय द्वारा ही लगायी जा सकती है। जिसका जवाब तहसीलदार चांदनी कवंर द्वारा नहीं दिया गया है। उक्त भूमि विक्रय के लिये तहसीलदार व उपपंजीयक के बीच फंसी हुयी है।

किसके सह पर तहसीलदार चांदनी कवंर कर रही मनमाना काम ?

पहले तहसीलदार ने भूमि का नामांतरण किया फिर चौहद्दी के लिये आदेष भी दिया जब विक्रय हेतु दस्तावेज के साथ उप पंजीयक कार्यालय पहुंचे तो पता चला तहसीलदार ने भूमि के विक्रय न होने देने का दिया है पत्र। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि तहसीलदार द्वारा अपने ही पत्र को अब अपास्त करने ही हिम्मत जुटा पायेंगे या फिर पैंडुलम की तरह विक्रेता अपने ही भूमि विक्रय करने के लिये कार्यालयों का लगाता रहेगा चक्कर।

उच्च न्यायालय के आदेश को भी नहीं मानते उप पंजीयक व तहसीलदार महोदय

आवेदक धनेश्वर राजवाड़े द्वारा बिलासपुर उच्च न्यायालय के आदेष डब्लुपीसी 255/2020 तहसीलदार पटना उप पंजीयक, कलेक्टर कोरिया को लिखित आवेदन सहित संलग्न कर 19.06.2023 को प्रस्तुत किया गया था उक्त आदेश में स्पश्ट उल्लेखित है कि किसी भी प्रशासनिक अधिकारी कलेक्टर, अनुविभागीय दण्डाधिकारी, तहसीलदार, उप पंजीयक द्वारा किसी भी भूमि के क्रय विक्रय पर रोक नहीं लगाये जाने का उल्लेख है। परंतु उक्त पत्र व उच्च न्यायालय क आदेशो की अवहेलना प्रषासनिक अधिकारीयों द्वारा किया जा रहा है।

वनमाली सृजन पीठ का चतुर्थ राष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न,कई राज्यों से साहित्यकार हुए शामिल

संवाददाता-

मनेंद्रगढ़ 06 अगस्त 2023 (घटती-घटना)। मनेंद्रगढ़ वनमाली सृजन पीठ म.प्र. भोपाल द्वारा आयोजित दो दिवसीय चतुर्थ राष्ट्रीय सम्मेलन स्कोप ग्लोबल स्किल विश्वविद्यालय भोपाल के सभागार मे सम्पन्न हुआ, मनेन्द्रगढ़ बीरेन्द्र श्रीवास्तव ने बताय की एक अगस्त से प्रारंभ इस राष्ट्रीय सम्मेलन में सृजन केंद्रों की परिकल्पना, कार्यपद्धती और भविष्य की संभावनाओं पर वनमाली सृजन पीठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष चौबे के साथ दिल्ली सृजनपीठ के लीलाधर मंडलोई, बिलासपुर से सतीश जायसवाल, ग्लोबल विश्वविद्यालय के डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, शरद जैन, वैशाली के विमल शर्मा, एवं झारखंड के डॉ. मनोहर बाथम के नेतृत्व मे अलग-अलग राज्यों के प्रतिनिधियोंयों ने इस राष्ट्रीय चर्चा में अपने विचार

रखे, आंचलिक साहित्य व कला संबंधी धरोहरों एवं पांडुलिपियों के संरक्षण, वार्षिक हिंदी ओलंपियाड का आयोजन, सुदूर अंचलों में साहित्य एवं अन्य विषयों पर शोध एवं अनुसंधान के कार्यों के विस्तार, सहित राष्ट्रीय शिक्षा नीति में कौशल विकास का समन्वय एवं समायोजन जैसे प्रमुख विषयों पर चर्चा हुई, जिसे देश के विश्वविद्यालयों में लागू कराने की योजना पर विचार किया गया। सांध्य कालीन कार्यक्रमों में टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के छात्रों द्वारा वनमाली जी की कहानी जिल्द साज पर एक बेहतर नाट्य प्रस्तुति दी गई, जिसे देश के अलग-अलग केंद्रों से आए हुए साहित्यकारों और कलाकारों ने सराहा।

द्वितीय दिवस के कार्यक्रम में आयोजित व्यंग विधा को साहित्य में प्रमुख स्थान दिलाने एवं उसके संग्रहों के प्रकाशनों की बारे में एक विशेष आयोजन सायं कालीन 03 बजे से प्रारंभ सत्र में संपन्न हुआ, जिसमें कैलाश मंडलेकर, शांतिलाल जैन, मलय जैन, विजय श्रीवास्तव एवं सुनील सक्सेना जैसे व्यंग्य कारों ने अपनी व्यंग रचनाओं की श्रेष्ठ प्रस्तुतियां देकर इसे प्रमाणित किया, कार्यक्रम के समापन मे मुख्य अतिथि संतोष चौबे ने आईसेक्ट प्रकाशन मे व्यंग्य संग्रह के पुस्तकों के प्रकाशन हेतु आस्वासन दिया, देर शाम सायं 07 बजे से गीत गजलों और कविताओं से सजी राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, लीलाधर मंडलोई, कथाकार मुकेश वर्मा एवं संतोष चौबे जैसे विद्वान साहित्यकारों की मंचीय उपस्थिति में इस कवि सम्मेलन में मोहन सगोरिया, ऋषि श्रृंगारी, महेश कटारे, बलराम धाकड़, मनोज जैन मधुर, सहित कोरिया वनमाली सृजन केंद्र के गौरव अग्रवाल ने ÷सौगंध मुझे है आज पार्थ÷ कविता एवं एवं वीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने मैं जिस मिट्टी में जन्मा हूं वह सुर- गुंजा की माटी है अप भ्रशो ने कई नाम दिए कोरिया की कारीमाटी है, गीत प्रस्तुति से उपस्थित जनसमुदाय को तालियां बजाकर गीत प्रस्तुति की सराहना और अपनी खुशी व्यक्त करने के लिए बाध्य कर दिया, देर रात तक चलते इस कवि सम्मेलन को देश के प्रख्यात साहित्यकार एवं पूर्व ज्ञानपीठ अध्यक्ष लीलाधर मंडलोई ने अपने संबोधन से रचनाकारों का उत्साहवर्धन किया।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता लोक निर्माण विभाग (भ/स)

अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

निविदा आमंत्रण तिथि:-27/ 07/ 2023

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

01. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये Log in करें http://eproc.cgstate.gov.in
02 संबंधित संभाग- स.क्रं.1 सूरजपुर स.क्रं.2 रामानुजगंज स.क्रं. 3 से 10 जशपुर स.क्रं. 11.12.13 पत्थलगांव एवं स.क्रं 14 अम्किापुर संभाग

सरल क्र.	एन.आई.टी.क्र/ऑन लाईन सिस्टम क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3	4
1	64, 2nd Call D Class and Above Bid Submission date 14.8.2023	जिला सूरजपुर विकासखण्ड प्रतापपुर के ग्राम पंचायत डांडकरवां में स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल भवन का निर्माण एवं जीर्णोद्धार कार्य।	92.85
2	65, 1st Call D Class and Above Bid Submission date 21.8.2023	संभाग रामानुजगंज अंतर्गत विभिन्न मार्गो में रोड फर्निचर एवं रोड मार्किंग का कार्य। 1. बाहरचुरा से भीतरचुरा मार्ग निर्माण पुल पुलिया संहित 2. विजयनगर से पिपरौल मार्गनिर्माण 3. बगरा मोड़ से इन्द्रपुर (मंदिर) तक मार्ग निर्माण पुल पुलिया संहित 4. राजपुर कुसमी मेन रोड से पहाड़ खड़ूआ पहुंच मार्ग पुल पुलिया सहित लंबाई 3.85 कि.मी.5.जामवंतपुर से बुलगांव भवरमाल मार्ग लंबाई 6.50 कि.मी. 6.केरता से बच्छराजकुंवर मानपुर मार्ग निर्माण पुल पुलिया संहित लंबाई 15.00 कि.मी. वास्तविक लंबाई 14.54 कि.मी. 07. पुरूषोत्तमपुर से मितगई मार्ग निर्माण पुल पुलिया संहित लंबाई 2.35 कि.मी.	39.55
3	66, 1st Call D Class and Above Bid Submission date 21.8.2023	जिला जशपुर के एस0डी0एम0 कार्यालय एवं तहसील भवन का जीर्णोद्वार कार्य।	83.13
4	67, 1st Call D Class and Above Bid Submission date 21.8.2023	जिला जशपुर में कुनकुरी तहसील परिसर के विभिन्न भवनों का जीर्णोद्वार कार्य।	37.31
5	68, 1st Call D Class and Above Bid Submission date 21.8.2023	जिला जशपुर के तहसील भवन दुलदुला का जीर्णोद्वार कार्य।	48.47
6	69, 1st Call D Class and Above Bid Submission date 21.8.2023	जिला जशपुर के तहसील भवन मनोरा का जीर्णोद्वार कार्य।	42.48
7	70, 1st Call D Class and Above Bid Submission date 21.8.2023	जिला जशपुर के तहसील भवन का बगीचा का विशेष मरम्मत कार्य।	62.17
8	71, 1st Call D Class and Above Bid Submission date 21.8.2023	उपसंभाग क्र. जशपुर अंतर्गत. 1.ज्योति निवास से बस्टेली पहुंच मार्ग 1.60 कि.मी. 2.थाना से ज्योति निवास पहुंच मार्ग 1.00 कि.मी.3.बांकीटोली से हाई स्कूल पहुंच मार्ग 1.00 कि.मी. 4.पुगना गुमला से जशपुर रोड 3.10 कि.मी. 5.पतराटेली से दुलदुला पहुंच मार्ग 4.80 कि.मी. 6.पिड़ी से बस्टेली रोड 5.50 कि.मी. 7. पिंडी से नीमगांव मार्ग 3.00 कि.मी. 8.कस्तुरा से जमटेली पहुंच मार्ग 3.00 कि.मी. 9.पीएमजीएसवाई रोड से नाकराटकु पहुंच मार्ग 2.20 कि.मी. 10.कसतुरा से शारदाधाम पहुंच मार्ग 4.80 कि.मी. में बी.टी.पैच रिपेयर का कार्य।	58.00
9	72, 1st Call D Class and Above Bid Submission date 21.8.2023	उपसंभाग बगीचा अंतर्गत 1. सराईपानी बगीचा मार्ग के कि.मी. 25 से 42/2 एवं 45 से 47/6= 19.80 कि.मी. 2.घुघरी मरोल ढोधरंरबा मार्ग के कि.मी. 01 से 6=6.00 कि.मी. 3.सन्ना पण्डरापाठ बगीचा मार्ग के कि.मी. 18 से 36/6=17.60 कि.मी. 4.बगीचा रेंगले बेतरा मार्ग के कि.मी. 1 से 5= 5:00 कि.मी. 5.सन्ना चंपा मार्ग के कि.मी. 8/2 से 21/4 = 13.40 कि.मी. में बी.टी.पैच रिपेयर का कार्य।	84.00
10	73, 1st Call D Class and Above Bid Submission date 21.8.2023	उपसंभाग कुनकुरी अंतर्गत 1.महुआटोली लोधमा जोकरी मार्ग के कि.मी. 1 से 8/4=7.40 कि.मी. 2.सिंगीबहार लथबोरा मार्ग लंबाई 5.00 कि.मी. 3.चुल्हापानी पटेलपारा मार्ग लंबाई 1.80 कि.मी. 4. सिंगीबहार कछुआकानी पहुंच मार्ग लंबाई 3.40 कि.मी. 5.चरईखारा बेलसुंगा मार्ग लंबाई 3.80 कि.मी. 6.घंडुटोली से चरईखारा मार्ग लंबा 2.70 कि.मी. 7. ऊपरखचार पहुंच मार्ग लंबाई 3.40 कि.मी. 8. नवाटोली से तंदूखारा मार्ग लंबाई 2.00 कि.मी. 9. केरसई से नवाटोली मार्ग लंबाई 1.50 कि.मी. में बी.टी. पैच रिपेयर का कार्य।	49.00
11	74, 1st Call C Class and Above Bid Submission date 21.8.2023	जिला जशपुर के धरजियाबथान में हायर सेकेण्ड्री स्कूल भवन का निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित।	109.94
12	75, 1st Call D Class and Above Bid Submission date 21.8.2023	जिला जशपुर के तिलडेगा में हाई स्कूल भवन का निर्माण कार्य।	61.14
13	76, 2nd Call D Class and Above Bid Submission date 14.8.2023	सी.जी.आर.आई.डी.सी.एल. अंतर्गत लैलुंगा कोतबा लवाकेरा मार्ग लंबाई 44.40 कि.मी. में रोड मार्किंग एवं रोड फर्निचर का कार्य।	44.71
14	77, 1st Call D Class and Above Bid Submission date 21.8.2023	शासकीय राजमोहनी देवी कन्या महाविद्यालय अम्बिकापुर जिला सरगुजा का रेनोवेशन/उन्नयन कार्य।	42.99

जी.नं.-03950/2

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

कितने संवेदनशील हैं कोरिया कलेक्टर?

टपकती छत के नीचे पढ़ रहे बच्चे, फिर भी सुध लेने की फुरसत नहीं।

पिछले 5 दिनों से लगातार हो रही है बारिश, नदी नाले उफान पर

भीगकर बच्चे बीता रहे दिन, चिंता नहीं कलेक्टर को

गौरेला पेंड्रा मरवाही के कलेक्टर से भी सिख नहीं ले पाए कोरिया कलेक्टर, जीपीएम जिले में दो दिनों का दिया गया अवकाश

मुख्यमंत्री जतन योजना अंतर्गत जिले के स्कूलों का मरम्मत भी नहीं हुआ समय पर,बारिश का मौसम आधा बीत चुका,मरम्मत अब भी अधूरा...

अधिकांश स्कूलों में मरम्मत कार्य प्रगति पर,बारिश की वजह से मरम्मत कार्य भी है रुका हुआ

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर, 06 अगस्त 2023
(घटती घटना)

प्रदेश सहित जिले में लगातार पांच दिनों से बारिश हो रही है, वहीं जिले के सभी नदी नाले उफान पर हैं खेतों में भी जलभराव हो चुका है और अब खेत की मेड़ों पर भी बाढ़ जैसे हालात हैं, इसी बीच जिले के नौनिहाल स्कूली छात्र छात्रा स्कूल जा रहें हैं और वह भी ऐसे शासकीय स्कूलों में जा रहें हैं जहां स्कूलों का छत टपक रहा है और भवन की हालत बेहद खराब है। वैसे शासकीय स्कूलों के खराब हालत को सुधारने मुख्यमंत्री जतन योजना अंतर्गत मरम्मत कार्य जारी है लेकिन मरम्मत कार्य भी कछुए की चाल से चल रहा है और इस बीच स्कूली बच्चे टपकती छत के नीचे ही बैठकर पढ़ने मजबूर हैं। बच्चे भी स्कूल किसी तरह पहुंच पा रहें हैं और कई जगह तो नदी नाले या खेतों की मेड़ों से बहते पानी के बीच बच्चे किसी तरह पार होकर स्कूल आ रहें हैं वहीं इस बीच वह भीग भी रहे हैं और भीगकर ही स्कूल आ रहें हैं। प्रदेश में जारी लगातार बारिश को देखते हुए नवीन जिला गौरेला पेंड्रा मरवाही कलेक्टर ने दो दिनों का अवकाश विद्यालयों के लिए घोषित किया है लेकिन वहां के अलावा किसी अन्य जिले में अवकाश की घोषणा किसी कलेक्टर ने नहीं की है जो यह साबित करने काफी है की अन्य जगहों में कलेक्टर कितने संवेदनशील हैं। कोरिया जिले की भौगोलिक परिस्थिति भी गौरेला पेंड्रा मरवाही से ज्यादा विपरीत नहीं है,जिले में भी कई स्कूल ऐसी जगह हैं जहां स्कूली बच्चों का बारिश में स्कूल पहुंच पाना बेहद कठिन होता है साथ ही खतरनाक भी होता है जहां जान का जोखिम भी होता है वहीं विद्यालय भवन भी इस लगातार जारी बारिश में जर्जर होने की वजह से टपक रहें हैं और उनमें कक्षाएं संचालित हो पाना फिलहाल उचित नही लग रहा है फिर भी बच्चे स्कूल जा रहें हैं और टपकती छत के नीचे वह बैठकर पढ़ने मजबूर हैं। कई जगह मरम्मत की वजह से एक ही कक्ष फिलहाल उपलब्ध है और उसी में किसी तरह कक्षाएं संचालित हो रही हैं। हाल ही में एक विद्यालय की स्थिति को लेकर ग्रामीणों ने भी अपनी आपत्ति दर्ज की है जहां मरम्मत जो धीमी गति से हो रहा है की वजह से बच्चे एक ही कक्ष में बैठने मजबूर हैं जबकि वह प्राथमिक शाला और पूर्व माध्यमिक शाला दोनो के छात्र हैं। कुल मिलाकर जिस तरह की बारिश हो रही है और शासकीय स्कूलों की जैसी दशा है फिलहाल लगातार बारिश को देखते हुए अवकाश की घोषणा आवश्यक जान पड़ती है जो नहीं हो सकी है।

जीपीएम कलेक्टर की तरह की जानी चाहिए... स्कूलों में अवकाश की घोषणा

जिले में जी पी एम कलेक्टर की तर्ज पर स्कूलों में अवकाश की घोषणा की जानी चाहिए ऐसा पालकों का भी मानना है। फिलहाल अभी दो दिन और बारिश की संभावना है और ऐसे में यदि बारिश इसी तरह जारी रही तो परिस्थितियां और विकराल होगी और बच्चों को परेशानी भी होगी। अब कोरिया कलेक्टर क्या निर्णय लेंगे वह तो नहीं कहा जा सकता लेकिन उनका निर्णय अब आता भी है तो विलंब से आया निर्णय माना जाएगा क्योंकि अब बारिश शायद ही आगे जारी रहे।

मुख्यमंत्री जतन स्कूल मरम्मत योजना में भी स्कूलों में केवल हो रहा है थूक पालिस का काम

मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना जिसमें स्कूलों का मरम्मत किया जा रहा है उसमे भी जमकर भ्रष्टाचार हो रहा है और जिन भवनों को अनुपयोगी करार देकर नए भवन का निर्माण किया जाना चाहिए उनका भी मरम्मत किया जा रहा है जबकि वह मरम्मत के बाद भी कितने दिन टिके रहने वाले हैं वहां छात्रों का बैठना कितना सुरक्षित है यही सुनिश्चित नहीं है।

फिलहाल ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूली छात्र छात्राओं को हो रही बारिश की वजह से स्कूल आने जाने में दिक्कत

लगातार हो रही बारिश की वजह से सबसे ज्यादा समस्या ग्रामीण क्षेत्र के छात्र छात्राओं को हो रही है। ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूल में पढ़ने वाले छात्र छात्रा ग्रामीण क्षेत्र के अंदरूनी जगहों से स्कूल जाते हैं और कई जगह नदी नाले भी रास्ते में पड़ते हैं वहीं कई मोहल्ले गांव के ऐसे हैं जहां मेड़ों से भी छात्र छात्राओं को गुजरान पड़ता है और अभी जारी बारिश ने नदी नाले उफान पर हैं मेड़ों से भी पानी ऊपर बह रहा है और यह किसी खतरे से कम नहीं है,वहीं छात्र छात्राओं में से सभी के पास खासकर प्राथमिक और मिडिल स्कूल के छात्र छात्राओं के पास छाता सहित रेनकोट की भी व्यवस्था नहीं है और वह भीगकर स्कूल पहुंच रहें हैं जिससे उनके तबियत के भी खराब होने की पूरी संभावना बनी हुई है। अब ऐसे में फिलहाल यदि अवकाश की घोषणा होती है तो यह छात्र हित में उचित निर्णय होगा जो कहा जा सकता है।

मुख्यमंत्री जतन विद्यालय मरम्मत कार्य की धीमी गति भी है इस बरसात में बच्चों के लिए समस्या की वजह

प्रदेश के मुख्यमंत्री ने प्रदेश के स्कूलों की जर्जर स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना का ऐलान किया और उन्होंने कई श्रेणियों में इसके लिए राशि जारी की जिसमे अति खराब,खराब और थोड़ा खराब श्रेणियां बनाई गई और फिर उस अनुसार राशि जारी कर मरम्मत की समयावधि तय की जो बरसात पूर्व तक थी। अब जबकि बरसात आधी बीत चुकी और अभी भी मरम्मत कार्य प्रगति पर है धीमी है ऐसे में लगातार बारिश की वजह से छात्रों का परेशान होना कोई बड़ी बात नहीं है। बच्चे मरम्मत की धीमी गति की वजह से टपकती छत के नीचे ही दिनभर बैठ रहें हैं और किसी तरह पढ़ाई कर घर वापस जा रहें हैं।

इतवारी व्यापारी संघ अध्यक्ष अनीस मेमन ने आई फ्लू से बचाव हेतु निःशुल्क आई ड्रॉप का किया वितरण

-संवाददाता-
कोरबा 06 अगस्त 2023
(घटती घटना)

देश में इन दिनों लोगो के आंखों से संबंधित संक्रमण का खतरा बढ़ रहा है ढ्ढ लोगों में आंखों को लेकर कई तरह की शिकायतें सामने आ रही हैं ढ्ढ आंखों के संक्रमण को लेकर स्वास्थ्य विभाग भी लोगों को सतर्क कर चुका है जिसे देखते हुए जन जागरूकता के तहत एक शिविर का आयोजन पुराना बस स्टैंड कोरबा में किया गया। जहां इतवारी बाजार संघ अध्यक्ष अनीस मेमन ने जरूरतमंदों को आई ड्रॉप का निशुल्क वितरण किया।

समाजसेवी अनीस मेमन ने बताया कि आंखें खुदा की दी हुई सबसे बड़ी नेमत है इसे लेकर जरा भी आसावधानी नहीं बरतनी चाहिए। संक्रमण के दौरान ज्यादा देर तक लैपटॉप, मोबाइल, टीवी नहीं देखना चाहिए। इस शिविर में लगभग एक हजार आई ड्रॉप का वितरण किया गया।

ट्रक ड्रायवरों से लूटपाट के घटना में 4 आरोपी सहित 03 विधि से संघर्षरत् बालक हुए गिरफ्तार

-संवाददाता-
कोरबा 06 अगस्त 2023
(घटती घटना)

थाना उरगा क्षेत्र में विगत दिनों ट्रक ड्रायवरो के द्वारा शिकायत प्राप्त हो रही थी कि मोटर सायकल में सवार कुछ युवक समुह बनाकर ड्रायवरो को डरा धमकाकर नगदी व मोबाईल फोन लुट ले रहे है ढ्ढ जिस पर प्रार्थी भुपेन्द्र मरावी निवासी बक्साही थाना पाली के रिपार्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर घटना की गंभीरता से पुलिस अधीक्षक कोरबा यु. उदय किरण (भा.पु.से.) को अवगत कराया गया ढ्ढ जिनके द्वारा निर्देशित करने पर तथा अति0 पुलिस अधीक्षक कोरबा अभिषेक वर्मा (रा.पु.से.), नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा (रा.पु.से.) विश्व दीपक त्रिपाठी के मार्गदर्शन

पर थाना उरगा क्षेत्र में टीम गठित कर अज्ञात लुटेरो की पतासाजी की जा रही थी ढ्ढ मुखबिर की सूचना पर सण्डैल निवासी दुबराज लहरे को पकड़कर पुछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किया गया तथा बताया कि अपने साथी अमन साहु पिता प्रेमलाल साहु सा0 ढोढीपारा भैसखटाल, निखिल कश्यप पिता स्व. खगेन्द्र कुमार उम्र 19 वर्ष सा0 राताखार, अभिषेक वैष्णव पिता लक्ष्मी प्रसाद उम्र 19 वर्ष सा0 गेंदराम के किराये के मकान में चैनपुर थाना दीपका एवं 03 नाबालिक बालको के साथ मिलकर दिनांक 02.08.23 के रात्रि करीबन 01 बजे दो मोटर सायकल में सवार होकर मड़वारानी मेन रोड़ में किनारे खड़े ट्रक के दरवाजा को खुलवाकर डरा धमकाकर ड्रायवर व उसके साथी से 02 नग वीवो एवं पोको कम्पनी के मोबाईल तथा 4500 रू. जो ड्रायवर भुपेन्द्र मरावी के फोन पे में था को आरोपी अमन साहु के द्वारा आरोपी दुबराज लहरे के फोन पर भेज दिया और वहाँ से फरार हो गये। आरोपी दुबराज के निशादेही पर अन्य 03 आरोपी व 03 अपचारी बालको को हिरासत में लेकर पुछताछ करने पर सभी ने जुर्म स्वीकार किया तथा बरबसपुर मेन रोड़, कनकी, मुड़पार, सर्वमंगला क्षेत्र में लुट व प्रयास करना बताये है। आरोपियों से घटना में प्रयुक्त 02 नग स्प्लेंडर प्रो मोटर सायकल बिना नंबर एवं 05 नग विभिन्न कंपनियों का मोबाईल फोन जप्त किया गया है। जिसके संबंध में पृथक से पतासाजी की जा रही है। आरोपियो को अपराध धारा 392,34 भादवि के तहत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय न्यायिक अभिरक्षा हेतु भेजा गया है। सम्पुर्ण कार्यवाही में अति0 पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा (रा.पु.से.) एवं नगर पुलिस अधीक्षक विश्व दीपक त्रिपाठी के सत्त मार्गदर्शन पर थाना उरगा के थाना प्रभारी निरीक्षक युवराज तिवारी, स.उ.नि. बलीराम निराला, संतराम सिन्हा, आरक्षक कौशल प्रसाद महिलांगे, नितेश तिवारी, प्रेम साहु, नरेश टांण्डेल, हितेश राव, सनोज सिंह, शिव चौहान सैनिक सान्तनु राजवाड़े की महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल द्वारा कुसमुंडा शिव मंदिर में किया जाएगा रूद्राभिषेक

-संवाददाता-
कोरबा 06 अगस्त 2023
(घटती घटना)

दूसरे सावन के पवित्र अधिमास के प्रथम सोमवार को प्रदेश के राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल एवं पूर्व महापौर श्रीमती रेणु अग्रवाल के द्वारा विकास नगर कुसमुण्डा वार्ड क्र. 59 स्थित शिव मंदिर में विधि विधान के साथ रूद्राभिषेक किया जाएगा। साथ ही भक्तों के लिए इस पावन अवसर पर प्रसाद का वितरण किया जाएगा । इस पावन अवसर पर राजस्व मंत्री के निज कार्यालय प्रभारी श्री सुरेश कुमार अग्रवाल द्वारा सर्वमंगला नगर, दुरपा, चन्द्र नगर, बरमपुर, भैरोताल, आनंद नगर, कुसमुण्डा, विकास नगर, बलगी, डगनीयाखार, सुराकछार, इमलीछापर, खम्हरिया, दुल्लापुर, प्रेम नगर, चन्द्रिका दफाई, भक्तुदफाई, रेलवे दफाई, महुवा दफाई, शांति नगर आदि क्षेत्र के समस्त श्रद्धालुजनों को भगवान भोलेनाथ के पूजा अर्चना एवं प्रसाद ग्रहण करने के लिए विशेष आग्रह किया है।

राजस्व मंत्री करेंगे वार्ड क्र. 24 एम.पी. नगर में निगम मद से कराए जाने वाले विविध विकास कार्यो का भूमिपूजन

-संवाददाता-
कोरबा 06 अगस्त 2023
(घटती घटना) प्रदेश के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री जयसिंह अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा निगम मद से विकास कार्यक्रमों के अन्तर्गत विभिन्न कार्यो का भूमिपूजन दिनांक 7 अगस्त दिन सोमवार को वार्ड क्रमांक 24 अन्तर्गत एम.पी. नगर विस्तार के उद्यान में दोपहर 12 बजे किया जाएगा जिसके तहत गार्डन में शेड, स्टोर रूम एवं टॉयलेट का निर्माण कार्य कराया जायेगा। उसी समय अतिथियों द्वारा स्मृति उद्यान, पुष्पलता उद्यान, शिवाजीनगर उद्यान, एमपी. नगर उद्यान एवं बिसाहू दास महंत उद्यान में खेल उपकरण प्रदाय एवं स्थापना कार्य कराया जायेगा।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जयसिंह अग्रवाल के साथ अतिविशिष्ट अतिथि कोरबा लोकसभा क्षेत्र की सांसद, श्रीमती ज्योत्सना डॉ. चरणदास महंत, महापौर नगर पालिक निगम राजकिशोर प्रसाद की अध्यक्षता में सभापति, नगर पालिक निगम, कोरबा श्यामसुंदर सोनी, कोरबा जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण अध्यक्ष सुरेन्द्र प्रताप जायसवाल, जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष श्रीमती सपना चौहान, जिला कांग्रेस कोरबा ब्लॉक अध्यक्ष व एम.आई.सी. सदस्य संतोष राठौर सहित पार्षद गणों एवं वार्ड के नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।

वन विभाग द्वारा हाथियों की मौजूदगी वाले क्षेत्रों में लगातार मुनादी कराकर ग्रामीणों को किया जा रहा सतर्क

-संवाददाता-
कोरबा 06 अगस्त 2023
(घटती घटना)

कोरबा वन मंडल अंतर्गत विभिन्न परिक्षेत्रों में तीन अलग-अलग स्थानों पर 12 हाथी घूम रहें है। जिससे ग्रामीणों को खतरा बढ़ गया है। चूंकि ग्रामीण अंचलों में इन दिनों खेती-किसानी का काम जोरो से चल रहा है ऐसे में ग्रामीण घरों से निकल कर अपने-अपने खेतों में पहुंच रहे है। कई ग्रामीणों के खेत जंगल के बीच स्थित है अतः उन्हें वहां अपने खेतो में जाना पड़ रहा है। ऐसे में इन ग्रामीणों का हाथियों से सामना हो सकता है। वन विभाग संभावित खतरो को टालने के लिए हाथियो की मौजूदगी वाले क्षेत्रों में लगातार मुनादी कराकर ग्रामीणों को सर्तक कर रहे है। बावजूद इसके वन विभाग की चेतावनी को नजरअंदाज कर ग्रामीण खेतो अथवा जंगलो में पहुंच रहे है। जिससे खतरा और भी बढ़ गया है। जानकारी के अनुसार एक दर्जन हाथियो का दल कोरबा रेंज के गेराव जंगल में है। इस दल ने आसपास के गांवो बासाखर्रा, घोटमार तथा गेराव गांव में पहुंचकर भारी उत्पात मचाया और कई ग्रामीणों के खेतो में लगे धान के थरहे को रौंद दिया। ग्रामीणों द्वारा सूचना दिए जाने पर वन अमला मौके पर पहुंचकर नुकसानी का आकलन करने में जुट गया है। वहीं दो हाथी झुण्ड से अलग होकर चाकामार पहुंच गए है। दो हाथियों के चाकामार पहुंचने की सूचना पर वन विभाग सर्तकता बरतते हुए चाकामार पहुचकर हाथियो की निगरानी में लगा हुआ लगढ्ढ है। उधर करतला वन परिक्षेत्र में मौजूद दो लोनर हाथी कोरबा रेंज की सीमा पर प्रवेश कर सरदुकला जंगल जा पहुंचे। सरदुकला क्षेत्र में लोनर हाथियो के दस्तक देने की सूचना मिलते ही वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी गांव में पहुंचकर मुनादी के काम में जुट गए है। वहीं कटघोरा वन मंडल में बड़ी संख्या में हाथियो की मौजूदगी बनी हुई है जो जटगा पसान व केदंई रेंज में है। केदंई रेंज में 17 हाथियो को रोदे पहाड़ पर देखा गया है। वन विभाग ग्रामीण इलाकों में लगातार मुनादी करने के साथ साथ ग्रामीणों को सतर्क रहने को कह है।

महापौर राजकिशोर प्रसाद द्वारा शहर की सफाई व्यवस्था पर दिया जा रहा विशेष ध्यान

-संवाददाता-
कोरबा 06 अगस्त 2023
(घटती घटना)

इन दिनों बरसात का मौसम होने से शहर के बीचों बीच स्थित नालों में अक्सर जल भराव की स्थिति उत्पन्न हो रही है जिससे निगम के वार्डों में जल भर जाने से वार्डवाशियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है साथ ही कभी कभी नालों का पानी घरों में घुस जा रहा है द्य ऐसी स्थिति वार्डों में उत्पन्न न हो इसके लिए निगम महापौर राजकिशोर प्रसाद द्वारा लगातार वार्डों का भ्रमण करते हुए वार्ड में सफाई से संबंधित समस्याओं का तत्काल निराकरण किया जा रहा है द्य ऐसे ही

जल भराओ की स्थिति वार्ड क्र 02 स्वामी विवेकानंद मार्ग जलाराम मंदिर के समीप वार्ड की गलियों तथा आसपास जलभराव तथा जलाराम मंदिर के सामने गड्ढे में जल भराव तालाब नुमा स्थिति निर्मित हो जाने से वहां लोगों को सड़कों में चलने में कठिनाइयों के साथ साथ जल भराव से मच्छरों के पनपने से आस पास के रहने वाले वार्ड वासियों को अत्यधिक परेशानियां हो रही थी ढ्ढ जिसकी शिकायत महापौर से किए जाने पर महापौर राजकिशोर प्रसाद ने तत्काल संज्ञान में लेते हुए निगम के अधिकारियों को मौके पर जे.सी.बी. के माध्यम से जल भराव को खाली करवाया गया साथ ही समीप ही बने नाले में जाम की वजह से निकासी की समस्या का भी समाधान किया गया ढ्ढ श्री प्रसाद ने बताया कि हमारे क्षेत्र के विधायक एवं छ.ग. राज्य के राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल का सक्त निर्देश भी है कि किसी भी वार्ड में सड़क नाली, बिजली की समस्या का निराकरण जल्द करवायें जिससे आम नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो ढ्ढ महापौर श्री प्रसाद ने स्थानीय लोगों से निवेदन किया है कि गढ्ढों के आसपास गंदगी न होने दें घरों से निकले अपशिष्ट पदार्थ प्लास्टिक आदि को नालियों में न डालें जिससे नालियों को जाम होने से बचाया जा सके तथा नालियों पर स्लैब से पक्का न करें जिससे सफाई के वक्त उसे तोड़कर हटाने की नौबत न आये। नालियों को निर्बाध गति से बहने से नालियों के गंदे पानी के भराव से बच सकें। भ्रमण के दौरान महापौर के साथ बंटी शर्मा, लक्ष्मीनारायण देवांगन, आशु केशरवानी, रवि अग्रवाल, मनोज शर्मा, बलबीर अग्रवाल, राजीव सिंग, संजीव कुमार गर्ग, विशाल अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, बंटी अग्रवाल के साथ अन्य लोग उपस्थित थे।

कुलदीप अच्छी गेंदबाजी कर रहा है, इसलिए टीम उसका समर्थन कर रही है:चहल

प्रोविडेंस,06अगस्त 2023। लेग स्पिनर यूज़वेंद्र चहल जानते हैं एकदिवसीय प्रारूप में कुलदीप यादव को उन पर प्राथमिकता क्यों दी जा रही है और वह एशिया कप और विश्व कप की टीम में जगह बनाने को लेकर चिंतित नहीं हैं।

चहल को वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला में अंतिम एकादश में नहीं लिया गया था। उन्होंने पहले टी20 मैच में हिस्सा लिया जो इंडियन प्रीमियर लीग के बाद उनका पहला मैच था। उन्होंने इस मैच में अपने पहले ओवर में दो विकेट लेकर अपनी जीवंत उपस्थिति दर्ज कराई। भारत यह मैच चार रन से हार गया था।चहल ने दूसरे टी20 मैच से पहले कहा, टीम संयोजन हमारी प्राथमिकता है और इसमें कुछ नया नहीं है। सातवें नंबर पर हम अमूमन रविंद्र जडेजा या अक्षर पटेल को उतारते हैं। अगर विकेट स्पिनरों के अनुकूल हो तो तभी हम तीन स्पिनर उतारते हैं।

उन्होंने कहा, कुलदीप वास्तव में अच्छी गेंदबाजी कर रहा है और वह शानदार लय में है और इसलिए टीम उसका समर्थन कर रही है। मैं नेट पर कड़ा अभ्यास करता हूं ताकि जब भी मुझे मौका मिले मैं उसका फायदा उठा सकूं। सभी का ध्यान अक्टूबर-नवंबर में भारत में होने वाले विश्वकप से पहले वनडे पर है लेकिन चहल ने जनवरी के बाद से इस प्रारूप में कोई मैच नहीं खेला है। यह 33 वर्षीय खिलाड़ी हालांकि इस बात से खुश है कि वह टीम का हिस्सा है।

चहल ने कहा, हम पेशेवर क्रिकेटर हैं। मैं दो महीने के बाद खेल रहा हूं। इससे पहले मैंने अपना आखिरी मैच आईपीएल में खेला था। यह सब तैयारियों से जुड़ा हुआ है। यह कोई व्यक्तिगत खेल नहीं है। इसमें आपको टीम के लिए खेलना होता है। ऐसा भी समय आता है जबकि खिलाड़ी को दो श्रृंखलाओं में बाहर बैठना पड़ता है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वे टीम का हिस्सा नहीं हैं।

राज्य स्तर पर शतरंज के खिलाड़ी रहे चहल ने कहा, मुझे बहुत खुशी है कि मुझे हर दिन टीम की जर्सी पहनने का मौका मिलता है। मैं कोई घर में नहीं बैठा हूं। मैं टीम के साथ यात्रा कर रहा हूं। मैं टीम का हिस्सा हूं।

उन्होंने कहा, मैं शतरंज का खिलाड़ी रहा हूं जो व्यक्तिगत खेल है लेकिन क्रिकेट टीम खेल है। इसमें टीम में शामिल 15 खिलाड़ियों में से 11 को ही खेलने का मौका मिलता है।

दक्षिण अफ्रीका को 2-0 से हराकर नीदरलैंड महिला विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में

सिडनी,06अगस्त 2023। नीदरलैंड ने कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका को 2-0 से हराकर महिला विश्व कप फुटबॉल प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। जिल रूर्ड और लिनेथ बीरेनस्टीन ने सिडनी फुटबॉल स्टेडियम में प्रत्येक हाफ में गोल करके 2019 के उपविजेता को अंतिम आठ में जगह दिलाई। टूर्नामेंट में उलटफेर भरी जीत दर्ज करके नॉकआउट चरण में पहुंचने वाले दक्षिण अफ्रीका ने नीदरलैंड को आसानी से जीत दर्ज नहीं करने दी। नीदरलैंड की गोलकीपर डाफ्ने वान डोमसेलरकी तारीफ करनी होगी जिन्होंने थेम्बी कगाटलाना के कई हमलों को नाकाम किया। नीदरलैंड क्वार्टर फाइनल में स्पेन से भिड़ेगा लेकिन उसकी स्टार खिलाड़ी वान डी डोन्क दूसरा पीला कार्ड मिलने के कारण इस मैच में नहीं खेल पाएगी।

एशिया कप कैंप 24 अगस्त से होगा शुरू,केएल राहुल और बुमराह होंगे शामिल

नई दिल्ली,06 अगस्त 2023। 30 अगस्त से शुरु होने वाले एशिया कप को लेकर तैयारियां चालू हो गयी हैं. ऐसे में 24 से 29 अगस्त तक टीम के खिलाड़ियों का कैंप नेशनल किक्रेट एकेडमी में चलेगा. जिसमें लंबे समय से चोटिल चल रहे खिलाड़ी केएल राहुल और बुमराह भी शामिल होने वाले हैं. इस बार एशिया कप हाइब्रिड मॉडल पर खेला जाना हैं. जहां भारत 2 सितंबर को अपना पहला मैच पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगा.

24 से 29 अगस्त टीम के खिलाड़ियों का कैंप नेशनल किक्रेट एकेडमी में शुरु होने जा रहा हैं. जिसमें चोटिल चल रहे खिलाड़ी केएल राहुल और बुमराह भी शामिल होने वाले हैं. जबकि संजू इस में शामिल नहीं होंगे. ऐसे में ये तो साफ हो गया हैं कि सैमसन एशिया कप का हिस्सा नहीं होंगे.

ऐसे में बीसीसीआई अधिकारी के हवाले से कहा गया कि यह कैंप एशिया कप टीम के लिए होगा. अगर संजू सैमसन एशिया कप के लिए चुने जाते है तो वह केवल अंतिम दो दिन कैंप में रिपोर्ट करेंगे. आयरलैंड सीरीज के बाद संजू को ब्रेक की जरूरत होगी. बहुत कम समय में बहुत सारे मैच और यात्राएं होंगी. दो दिन के ब्रेक के बाद बुमराह कैंप में रहेंगे.

वेस्टइंडीज के खिलाफ जारी टी20 सीरीज के बाद टीम इंडिया के मुख्य खिलाड़ी एशिया कप की तैयारी के लिए जुटेंगे. वहीं एक दूसरी टीम तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलने आयरलैंड जाएगी. जहां जसप्रीत बुमराह इस टीम के कप्तान हैं. संजू सैमसन भी इस टीम का हिस्सा हैं

चेन्नईयिन एफसी ने मिडफील्डर आयुष अधिकारी को अपने साथ जोड़ा

चेन्नई ,06 अगस्त 2023। चेन्नईयिन एफसी ने आगामी 2023-24 सीज़न से पहले दिल्ली में जन्मे सेंट्रल मिडफील्डर आयुष अधिकारी को अपने साथ जोड़ा है। 22 वर्षीय खिलाड़ी इस सीज़न में मरीना मचान्स के लिए बोर्ड में शामिल होने वाले 11वें खिलाड़ी बने। केरला ब्लास्टर्स एफसी से अधिकारी के आने से चेन्नईयिन एफसी के मिडफील्ड में मजबूती आने की उम्मीद है। अधिकारी ने आरएफ डेवलपमेंट लीग में केरला ब्लास्टर्स एफसी के लिए एक गोल किया है और आई-लीग में इंडियन एरो एफसी के लिए एक सहायता की है। मैं दो बार के आईएसएल चैंपियन चेन्नईयिन एफसी से जुड़कर खुश हूं और कोच ओवेन कॉयले के मार्गदर्शन में काम करने के लिए उत्सुक हूं, जिन्होंने अतीत में कई युवा खिलाड़ियों के विकास में मदद की है। मुझे उम्मीद है कि मैं अपना अच्छा प्रदर्शन करूंगा।÷ क्लब को आगामी सीज़न के लिए अपना लक्ष्य हासिल करने में मदद करने और अपने प्रशंसकों को गौरवान्वित करने के लिए दिन-रात कड़ी मेहनत कर रहा हूँ! अधिकारी ने क्लब की एक विज्ञप्ति के हवाले से यह टिप्पणी की। अधिकारी ने 2019-20 सीज़न में ओजोन एफसी के लिए 18 वर्षीय खिलाड़ी के रूप में अपना पेशेवर डेब्यू किया और उसी सीज़न में इंडियन एरो में चले गए। 2020-21 में केरला ब्लास्टर्स एफसी में शामिल होने के बाद उन्होंने हीरो इंडियन सुपर लीग, हीरो सुपर कप और डूरंड कप में टीम के लिए 30 प्रदर्शन किए हैं।

प्रमोद भगत,सुकांत कदम 4 देशों के पैरा बैडमिंटन अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली,06 अगस्त 2023। शीर्ष शटलर प्रमोद भगत ने चल रहे 4 देशों के बैडमिंटन-अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट÷>पैरा-बैडमिंटन अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट के एकल, पुरुष युगल और मिश्रित युगल के फाइनल में जगह बनाई, जबकि सुकांत कदम ने अपने साथी प्रमोद भगत के साथ पुरुष युगल के फाइनल में पहुंच गए हैं। पद्म श्री पुरस्कार विजेता आज पूरे जोश में थे क्योंकि उन्होंने भारत के कुमार नितेश को सीधे सेटों में हराया। बैडमिंटन के बादशाह प्रमोअब फाइनल में शटलर का मुकाबला इंग्लैंड के डेनियल बेथेल से होगा। मिक्स्ड डबल्स में प्रमोद ने अपनी जोड़ीदार मनीषा रामदास के साथ मिलकर भारत के रूथिक रघुपति और मानसी जोशी को सीधे सेटों में हराया। अंतिम स्कोर 21-12 और 21-19 रहा और अब उनका मुकाबला इंडोनेशिया के हिकमत रामदानी और लीनी रात्रि ओकटीला से होगा। पुरुष युगल में, दुनिया की नंबर 1 जोड़ी प्रमोद भगत और सुकांत कदम ने कुमा नितेश और तरूण की भारतीय जोड़ी को सीधे सेटों में हराया। मैच 26 मिनट तक चला और अंतिम स्कोर 21-19 और 21-12 रहा और अब उनका मुकाबला भारत के दीप रंजन बिसोयी और मनोज सरकार से होगा। दूसरी ओर, सुकांत ने शानदार युगल खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रमोद भगत के साथ फाइनल में अपनी जगह पक्की की, लेकिन एकल में इंडोनेशिया के फेडी सेतियावान से लड़ते हुए सेमीफाइनल में हार गए। सुकांत ने पहला गेम 21-7 के स्कोर से आसानी से जीत लिया, लेकिन इसका फायदा नहीं उठा सके। फेडी ने जोरदार वापसी करते हुए अगले 2 सेट 21-15 और 21-16 के स्कोर से जीत लिए।

अर्चेरी में दो स्वर्ण पदक विजेता तैयार करने वाले सावंत को अकादमी के लिए मदद की उम्मीद

कोलकाता ,06 अगस्त 2023। तीरंदाजी चैंपियनशिप के कंपाउंड वर्ग के महिला और पुरुष वर्ग के स्वर्ण पदक विजेता अदिति स्वामी और ओजस देवताले के कोच महाराष्ट्र के सतारा के पुलिस कांस्टेबल प्रवीण सावंत को अब उम्मीद है कि एक एकड़ गन्ने के खेत में बनी उनकी तीरंदाजी प्रशिक्षण अकादमी को अब उचित मान्यता मिलेगी। अदिति और देवताले दोनों ने विश्व चैंपियन बनने से पहले सतारा के वाधे फाटा क्षेत्र में दृष्टि अकादमी में सावंत की देखरेख में प्रशिक्षण लिया था। सावंत ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, '' अदिति 10 साल की उम्र में मेरे पास आयी थी। उस समय वह वास्तव में प्रभावशाली नहीं थी लेकिन उसकी जिद ने मुझे प्रभावित किया और मैंने उसे प्रशिक्षण देना शुरू किया। वह वास्तव में मेहनती थी, किसी प्रतियोगिता के बाद कोई ब्रेक नहीं लेती थी और यहां घंटों प्रशिक्षण लेती थी। मैं जानता था कि वह उभरती हुई चैंपियन है।''

नागपुर के देवताले 2022 में अपने खेल में सुधार के लिए सावंत की अकादमी से जुड़े। सावंत ने कहा, ''उनकी तीरंदाजी अपरंपरागत लेकिन प्रभावशाली थी। मुझे बस उसे प्रेरित करना था और उसे मानसिक रूप से तैयार करना था। उसने बाकी काम खुद किया।'' सावंत ने बताया कि उन्होंने पत्नी और मां के गहनों पर कर्ज लेकर इस अकादमी को शुरू किया और वे गहने आज भी बैंक के पास हैं। उन्होंने कहा, '' मुझे यकीन है कि लोग उनकी (अदिति और देवताले की) सफलता के बाद अब तीरंदाजी अकादमी पर ध्यान देंगे।'' उन्होंने उम्मीद जताई की सरकारी मदद की उनकी लंबे समय से की जा रही मांग को अब पूरा किया जायेगा और इस अकादमी को एक केंद्र का दर्जा दिया जाएगा।

डब्ल्यूएफआई प्रेसीडेंट पद के लिए संजय सिंह और अनीता श्योराण के बीच मुकाबला

नयी दिल्ली ,06 अगस्त 2023। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यू एफ आई) के अध्यक्ष पद के लिए संजय सिंह और राष्ट्रमंडल खेल 2010 की चैंपियन अनीता श्योराण के बीच मुकाबला होगा। अन्य उम्मीदवारों के नाम वापस लेने के बाद यही दोनों मैदान में बचे हैं। उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के उपाध्यक्ष संजय डब्ल्यूएफआई के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के करीबी हैं जबकि अनीता 12 अगस्त को होने वाले चुनाव में अकेली महिला उम्मीदवार हैं। अनीता ने अपना नामांकन ओडिशा इकाई के प्रतिनिधि के रूप में भरा है जबकि वह हरियाणा की रहने वाली हैं और राज्य पुलिस में कार्यरत हैं। इस पद के लिए दो अन्य उम्मीदवारों जम्मू कश्मीर के दुष्यंत शर्मा और दिल्ली कुश्ती संघ के अध्यक्ष और बृजभूषण के करीबी जयप्रकाश ने भी नामांकन भरा था लेकिन भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा गठित तदर्थ समिति के सूत्रों के अनुसार इन दोनों ने शनिवार को नाम वापस ले लिया।

चुनाव अधिकारी और जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायधीश महेश मित्तल कुमार सात अगस्त को उम्मीदवारों की आधिकारिक सूची जारी करेंगे। चुनाव अध्यक्ष (1), वरिष्ठ उपाध्यक्ष (1), उपाध्यक्ष (4), महासचिव (1), कोषाध्यक्ष (1), संयुक्त सचिव (2) और कार्यकारी सदस्य (5) पदों के लिए होंगे। ओलंपियन जयप्रकाश ने तीन पदों के लिए नामांकन भरा था। वह महासचिव पद की दौड़ से भी बाहर हो गए हैं जिसके बाद चंडीगढ़ के दर्शन लाल और रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड के सचिव प्रेमचंद लोचाब के बीच इस पद के लिए सीधा मुकाबला होगा। कोषाध्यक्ष पद के लिए भी उत्तराखंड के सत्यपाल सिंह देशवाल और दुष्यंत शर्मा के बीच सीधा मुकाबला होगा। बृजभूषण गुट के एक सदस्य ने गोपनीयता की शर्त पर बताया कि उनके 16 उम्मीदवार सभी 15 पदों के लिए मैदान पर हैं। उन्होंने कहा,'' हम सभी 15 पदों के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। हमारे 18 उम्मीदवारों ने नामांकन भरा था जिनमें से केवल दो ने नाम वापस लिया है।'' उन्होंने बताया कि जयप्रकाश उपाध्यक्ष और आईडी नानावती वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ेंगे।

जेसीबी ओपन में संयुक्त पांचवें स्थान पर रहे जीव मिल्खा सिंह

उतोक्सेटर,06 अगस्त 2023। सीनियर ब्रिटिश ओपन में शीर्ष 15 में रहने के बाद भारत के अनुभवी गोल्फर जीव मिल्खा सिंह ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए जेसीबी ओपन सीनियर गोल्फ प्रतियोगिता में संयुक्त पांचवा स्थान हासिल किया। भारी बारिश और तूफान के कारण इस प्रतियोगिता के अंतिम दौर का खेल नहीं हो पाया और इस तरह से इसे 36 होल तक सीमित कर दिया गया। जीव ने पहले दो दौर में 69 और 72 का कार्ड खेला था। इस तरह से उनका कुल स्कोर तीन अंडर 141 रहा। राइडर कप के पूर्व स्टार पीटर बेकर 36 होल के बाद एकल बढ़त पर है और अंतिम दौर में एक भी शॉट खेले बिना वह चैंपियन बन गए। उन्होंने पहले दो दौर में 69-69 का स्कोर बनाया था। विजय सिंह ने पहले दो दौर में 71 और 68 का कार्ड खेला था तथा वह दूसरे स्थान पर रहे।

काली पूजा 12 नवंबर को होने के कारण पाकिस्तान बनाम इंग्लैंड मैच की तिथि में होगा बदलाव

कोलकाता ,06 अगस्त 2023। बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) ने काली पूजा के दिन 12 नवंबर को पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच विश्व कप मैच के संबंध में स्थानीय सुरक्षा एजेंसियों द्वारा उठाई गई चिंताओं के बारे में आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) की रेकी टीम को अवगत कराया। शनिवार को ईडन गार्डन्स पहुंची इस रेकी टीम में आईसीसी के छह और बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) के 11 अधिकारी शामिल थे। बीसीसीआई और आईसीसी को इस मैच के तारीख में बदलाव करना पड़ा, तो यह पाकिस्तान के कार्यक्रम में तीसरा बदलाव होगा। इससे पहले भारत बनाम पाकिस्तान मैच (अहमदाबाद में 15 के बजाय 14 अक्टूबर) और श्रीलंका बनाम पाकिस्तान मैच (अब हैदराबाद में 12 अक्टूबर के बजाय 10 अक्टूबर) के कार्यक्रम में बदलाव किया गया था। अहमदाबाद पुलिस ने बीसीसीआई से कहा था कि 15 अक्टूबर को सुरक्षा का ध्यान रखना मुश्किल होगा, जो कि हिंदू त्योहार नवरात्रि का पहला दिन है। आईसीसी और बीसीसीआई ने 27 जून को एक भव्य समारोह में कार्यक्रम जारी किया था लेकिन संशोधित कार्यक्रम अभी तक प्रकाशित नहीं हुआ है। काली पूजा पश्चिम बंगाल में दूसरा सबसे बड़ा त्योहार है, और हजारों स्थानीय क्लब इस उत्सव का आयोजन करते हैं, जिसमें शहर भर में कानून और व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस तैनाती की आवश्यकता होती है।

फिल्म अकेली का ट्रेलर रिलीज

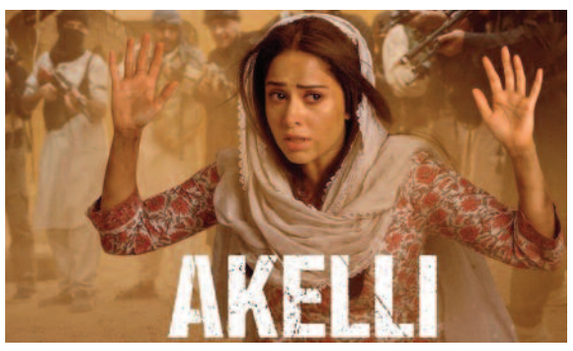

अभिनेत्री नुसरत भरूचा लंबे समय से फिल्मी दुनिया में सक्रिय हैं। फिल्म सोनू के टीटू की स्वीटी भले ही उनके करियर के लिए मील का पत्थर साबित हुई हो, लेकिन जनहित में जारी और छोरी जैसी फिल्मों से नुसरत ने यह साबित कर दिया कि वह अपने दम पर फिल्म ढोने का माद्दा रखती हैं।पिछले कुछ समय से वह फिल्म अकेली को लेकर चर्चा में हैं और अब उनकी इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है।ट्रेलर में दिखाया गया है कि नुसरत ट्रक में एक अनजान जगह पर आ गई हैं। बंदूक, अपराध और खूंखार की इस खौफनाक दुनिया में वह अकेली हैं और काफी घबराई हुई हैं। जंग के मैदान में खुद को बचाने के लिए वह मजबूरन बंदूक भी उठाती हैं।नुसरत अकेली अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ती दिख रही हैं। ट्रेलर में रोमांच भी है, वहीं नुसरत के अनदेखे अवतार ने इस फिल्म की रिलीज को लेकर उत्सुकता और बढ़ा दी है।

'छोरी' में दमदार किरदार के बाद, नुसरत भरुचा एक बार फिर दमदार रोल में लौट आई हैं. भले ही एक्ट्रेस की पिछली फिल्म जनहित में जारी फ्लॉप साबित हुई हो. लेकिन नुसरत ने लीक से हटकर रोल करना बंद नहीं किया है. अकेली की बात करें तो ये डायरेक्टर प्रणय मेश्राम के निर्देशन में बनी फिल्म है. ये एक थ्रिलर-ड्रामा है, जिसमें नुसरत लीड रोल प्ले करती दिखेंगी. नुसरत के अलावा फिल्म में निनाद वैद्य, अपर्णा पडगांवकर, नितिन वैद्य और शशांक शाह अहम रोल में हैं.फिल्म का ट्रेलर देखकर ही अंदाजा हो जाता है कि इसमें जबरदस्त सस्पेंस और ड्रामा देखने को मिलेगा. फिल्म से द केरला स्टोरी जैसी वाइब्स आती हैं. फैंस भी इसकी तुलना द केरला स्टोरी से कर रहे हैं. 'अकेली' 18 अगस्त, 2023 को सिल्वर स्क्रीन पर रिलीज हो रही है.

एथनिक आउटफिट में अनुष्का सेन ने दिखाईं कातिलाना हुस्न की बेबाक अदाएं, प्यारी सी स्माइल से लूटी लाइमलाइट

टीवी एक्ट्रेस अनुष्का सेन अपने ड्रेसिंग सेंस के कारण सोशल मीडिया पर फैंस के बीच चर्चाएं बटौरती रहती हैं। एक्ट्रेस अपना हर एक लुक इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। हाल ही में उनकी लेटेस्ट एथनिक लुक में फोटोज इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं। अनुष्का सेन टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस में से एक हैं। वो आए दिन अपनी सिम्पलिसिटी से लोगों का ध्यान खींच लेती है। हालिया फोटोशूट के दौरान एक्ट्रेस ने एथनिक लुक से फैंस के बीच कहर ढा दिया है। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं अनुष्का सेन ने ब्लैक कलर की साड़ी पहनी हुई है। एक्ट्रेस अपने इस ट्रेडिशनल आउटफिट में बेहद ही शानदार लग रही हैं। साथ ही फैंस उनकी लुक की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। एक बार फिर से अनुष्का सेन ने अपने ग्लैमरस लुक्स से फैंस के दिलों की धड़कनें तेज कर दी हैं। बता दें कि अनुष्का सेन जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। हालांकि इन तस्वीरों में अब तक 4 लाख से भी ज्यादा यूजर्स लाइक कर चुके हैं। एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा है- माई ड्रिम गर्ल, तो वहीं दूसरे यूजर ने लिखा है- गॉर्जियस अनुष्का। ऐसी ही और भी कॉमेंट्स की बौछार लगी हैं।

कैटरीना और विजय सेतुपति की मैरी क्रिसमस की रिलीज तारीख बदली

कैटरीना कैफ ने अपने करियर में सलमान खान से लेकर शाहरुख खान और अक्षय कुमार तक कई बड़े सितारों के साथ काम किया, लेकिन कभी उन्हें साउथ के सुपरस्टार विजय सेतुपति के साथ नहीं देखा गया। अब कैटरीना को उनके साथ काम करने का मौका भी मिल गया है। जल्द ही वह फिल्म मैरी क्रिसमस में सेतुपति के साथ दिखाई देंगी। अब इस फिल्म की नई रिलीज डेट का ऐलान हुआ है। आइए जानते हैं पर्दे पर कब आएगी फिल्म। कैटरीना ने पोस्टर साझा कर लिखा, हमने क्रिसमस के जश्न के लिए आपका इंतजार कम करने का फैसला किया। मैरी क्रिसमस 15 दिसंबर, 2023 को आपके नजदीकी सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पहले यह फिल्म 23 दिसंबर को आने वाली थी। कैटरीना और सेतुपति ने हिंदी और तमिल में 2 पोस्टर लॉन्च किए। दोनों पोस्टरों में कैटरीना और विजय हैं, जिन्होंने दर्शकों की दिलचस्पी बढ़ा दी है। पोस्टर पर टैगलाइन में लिखा है, रात जितनी काली होगी, सुबह उतनी गहरी होगी। इस फिल्म के हिंदी वर्जन में संजय कपूर, विनय पाठक, प्रतिमा कन्नन और टीनू आनंद भी हैं, जबकि तमिल में राधिका सरथकुमार, शनमुगराजा, केविन जय बाबू और राजेश विलियम्स हैं। बाल कलाकार अश्विनी कालसेकर और राधिका आप्टे इसमें मेहमान भूमिका में होंगे। इस क्राइम थ्रिलर फिल्म की कहानी एक खास दिन के इर्द-गिर्द घूमेगी, जो कैटरीना और विजय की दुनिया को उलट-पुलट कर देती है। यह क्रिसमस की शाम पर होने वाली एक घटना के बारे में है। कैटरीना जल्द ही सलमान खान के साथ टाइगर 3 में नजर आएंगी। इसके पिछले दोनों भाग हिट थे। इस बार फिल्म में इमरान हाशमी की भी एंट्री हुई है, वहीं इसमें शाहरुख खान की भूमिका भी काफी चर्चा में है। फिल्म में शाहरुख-सलमान के बीच एक खास सीक्वेंस देखने को मिलेगा। कैटरीना के पास फरहान अख्तर की फिल्म जी ले जरा भी है। इस फिल्म से प्रियंका चोपड़ा बाहर हो चुकी हैं, लेकिन आलिया भट्ट अब भी इसका हिस्सा हैं।

प्रियदर्शिनी बैंक घोटाला मामले में 44 उद्योगपतियों को भेजा नोटिस

मुख्य आरोपी उमेश सिन्हा से एक महीने की पूछताछ के बाद पुलिस ने उठाया बड़ा कदम

» चार दर्जन उद्योगपतियों को नोटिस के पश्चात मचा हड़कंप

रायपुर,06अगस्त2023(ए)। इंदिरा प्रियदर्शिनी महिला सहकारी बैंक घोटाले में रायपुर पुलिस ने निर्णायक कदम उठाया है। कथित घोटाले में छत्तीसगढ़ समेत महाराष्ट्र के तकरीबन 44 कारोबारी और उद्योगपतियों को नोटिस जारी किया है। जिन्हें नोटिस जारी हुआ है उनमें 40 छत्तीसगढ़ के तो 3 से 4 महाराष्ट्र के हैं।

पुलिस अपनी जांच का दायरा बढ़ाते हुए बहुत जल्द और लोगों को भी पूछताछ के लिए तलब करेगी। बैंक घोटाले में शामिल आरोपियों को 11 अगस्त को कोर्ट में उपस्थित होने का आदेश दिया है।

तत्संबंध में जानकारी के अनुसार 21 जून 2023 को राज्य शासन द्वारा की गई प्रार्थना स्वीकृत कर रायपुर के प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी भूपेश कुमार बसंत ने प्रियदर्शिनी बैंक

घोटाला की नए सिरे से जांच की अनुमति दी थी।

करीब 28 करोड़ का है घोटाला

वर्ष 2006 में रायपुर के इंदिरा प्रियदर्शिनी बैंक घोटाला में करीब 28 करोड़ रुपये की अनियमितता सामने आई थी। मामले में तत्कालीन बैंक मैनेजर उमेश सिन्हा का नार्को टेस्ट की सीडी 14 साल बाद रायपुर कोर्ट में पेश की गई थी।

सभी अभियुक्तों को 11 तक कोर्ट में पेश होने निर्देश

इस मामले के सभी अभियुक्तों को को कोर्ट मे पेश होने का निर्देश दिया गया है। विशेष लोक अभियोजक संदीप दुबे के मुताबिक इनमे से कई तो सालों से पेश नहीं हुए हैं। अब सभी को 11 अगस्त को प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी के यहां मेडिकल सर्टिफ़िकेट और एफिडेविट सहित प्रस्तुत होना होगा।

विधायक रंजना और एएसपी मधुलिका के बीच विवाद के बाद समर्थक नाराज

धरने पर बैठी थीं धमतरी विधायक रंजना तब एएसपी पर बांह पकड़ने की खबर से समर्थकों ने किया हंगामा

रायपुर,06अगस्त2023(ए)। विधायक रंजना और एएसपी मधुलिका के बीच विवाद के बाद समर्थक नाराज़.. वीडियो वायरल खबर धमतरी से आ रही है। मामला धमतरी विधायक और एएसपी के बीच हुए कथित विवाद का है।

जानकारी के मुताबिक धरने पर बैठी धमतरी की विधायक रंजना साहू की बाँह पकड़ कर एएसपी मधुलिका सिंह ने खींची तो विवाद शुरु हो गया। मधुलिका सिंह सफ़ाई देती रहीं कि उन्होंने बाँह नहीं पकड़ी है, पर विधायक के समर्थक अड़े रहे।

मामला था धमतरी शहर से होकर रायपुर-जगदलपुर नेशनल हाईवे और 2 स्टेट हाईवे गुजरी है। इन तीनों प्रमुख सड़कों पर एक से डेढ़ फीट तक गहरे और खतरनाक गड्ढे हो गए हैं। इनकी मरम्मत कराने की मांग को लेकर शनिवार को विधायक रंजना साहू के साथ भाजपाईयों ने रत्नाबांधा चौक पर चक्काजाम कर दिया। बीच चौराहे पर प्रदर्शन से ट्रैफिक व्यवस्था चरमरा गई और आम लोग परेशान होते रहे।

अचानक सेंट्रल जेल पहुंचे चीफ जस्टिस

कैद में कई बड़े अधिकारी उद्योगपति

रायपुर,06 अगस्त 2023(ए)। छत्तीसगढ़ के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने रायपुर सेंट्रल जेल और महिला जेल का औचक निरीक्षण किया। जेल का ऐसा कोई स्थान नहीं था, जहां चीफजस्टिस रमेश सिन्हा नहीं पहुंचे। वही, इस निरीक्षण में सब कुछ ठीक पाया गया। बताते चले कि इसके पहले उन्होंने बिलासपुर जेल का निरीक्षण किया भी किया था। चीफ जस्टिस ने जेलर और कर्मचारियों से बातचीत की और जेल के वातावरण और किन्ही परेशानी के बारें में भी सवाल किया। इसके साथ ही साफ सफाई को लेकर भी व्यवस्था ठीक रखने कहा गया हैं क्योंकि छत्तीसगढ़ में आई फ्लू तेजी से फैला हुआ हैं। सभी कर्मचारी अधिकारी को इन बातों का ध्यान रखने का निर्देश दिया। आपको बता दे कि रायपुर और बिलासपुर के जेल में कई बड़े अधिकारी उद्योगपति जेल में बंद है। ऐसे समय में चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा जेल निरीक्षण में पहुंचे, जिसकी हर तरफ चर्चा हैं। कैदियों के साथ समान व्यवहार रखने का चीफ जस्टिस ने निर्देश दिया। पूर्व में छत्तीसगढ़ के जेलों में महिला कैदियों के साथ अभद्रता पूर्ण व्यवहार होने की शिकायत मिली थी। इसे ध्यान में रखते हुए उन्होंने महिला जेल में कैदियों की समस्याओं को जानने की कोशिश की। वही सेंट्रल जेल में कैदियों से बात किया।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने तहसीलदारों को लेकर की बड़ी घोषणा

अब तहसीलदार भी होंगे राजपत्रित अधिकारी

रायपुर,06अगस्त 2023(ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एक बड़ी घोषणा करते हुए नायब तहसीलदार के पद को राजपत्रित पद का दर्जा दे दिया है। मुख्यमंत्री ने कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ के द्वारा 'कृषि एवं प्रदेश के किसानों के विकास में राजस्व विभाग का योगदान' थीम पर आयोजित प्रांतीय सम्मेलन में यह घोषणा की। मुख्यमंत्री ने सम्मेलन में भुइंया के मितान स्मारिका का भी विमोचन किया। सम्मेलन में कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ की प्रमोशन संबंधी मांग पर मुख्यमंत्री ने उन्हें विश्वास दिलाया है कि अधिकारियों का समय पर प्रमोशन जरूर होगा।

मुख्यमंत्री ने कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों कर्मचारियों के जिम्मेदारियों की बात करते हुए कहा कि आप सभी प्रशासन के महत्वपूर्ण अंग हैं और आपको बहुत सारे विविधतापूर्ण कार्य करने होते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व

अधिकारियों ने कोविड आपदा के समय महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाने और लोगों को सहायता पहुंचाने का काम किया था जिसकी वजह से पूरे देश में छत्तीसगढ़ की सराहना हुई।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि यह बहुत बड़ी उपलब्धि है कि बिना किसी शिकायत के पूरे प्रदेश में डेढ़ लाख एकड़ भूमि गौठानों के लिए आरक्षित की गई। यह काम कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों कर्मचारियों के कार्य के प्रति समर्पण को दिखाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासनिक कार्यों में कसावट और जनता की सेवा करने के जज्बे की वजह से आज सुकमा जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में भी जाति प्रमाण पत्र, नामांतरण और बंटवारा प्रमाण पत्र लोगों को उनके घर जाकर दिया जा रहा है।

सम्मेलन में राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री के भेंट मुलाकात कार्यक्रम में स्थानीय लोगों ने नए तहसीलों और अनुविभाग की मांग की जिसे मुख्यमंत्री ने पूरा किया। आम लोगों को सहूलियत हो और सरकार लोगों तक पहुंचे इसके लिए नए जिलों की स्थापना की गयी है।

मुख्यमंत्री के सलाहकार प्रदीप शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि पूरे देश में सिर्फ तहलीदार ही एक ऐसा पद है जो भारत ही नहीं बल्कि अन्य पड़ोसी देशों में भी इसी नाम से जाना जाता है। अतः जितना बड़ा इस पद का नाम है उसकी जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी है जिसे अच्छी तरह से निभाना आप सभी की जिम्मेदारी है।

राज्य स्तरीय प्रांतीय सम्मेलन में कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ की तरफ से प्रांताध्यक्ष कृष्ण कुमार लहरे, सचिव विक्रांत सिंह राठौर, प्रवक्ता शशिभूषण सोनी समेत राज्य भर से आए तहसीलदार और नायब तहसीलदार उपस्थित थे।

स्टील प्लांट धमाका में एक कर्मचारी की मौत,दो गंभीर

रायपुर,06अगस्त 2023(ए)। रायपुर स्टील प्लांट में रविवार को बड़ा हादसा हो गया। प्लांट में ब्लास्ट होने से एक श्रमिक की मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्टील प्लांट में धमाके के बाद अफरा-तफरी मच गई। रायपुर स्टील प्लांट के निदेशक विनोद गर्ग हैं।मिली जानकारी के अनुसार, रसमड़ा औद्योगिक क्षेत्र स्थित रायपुर स्टील प्लांट में ब्लास्ट हुआ है। लोहे को पिघलाते समय ये ब्लास्ट हुआ। इससे काम पर मौजूद एक कर्मचारी की मौत हो गई। वहीं दो गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मृतक का नाम खेमलाल साहू बताया जा रहा है। वहीं ब्लास्ट होने की वजह समाचार लिखे जाने तक सामने नहीं आई है।

2 हजार करोड़ के इन्वेस्ट से एयरपोर्ट को चमकाया और कर दिया नीलाम,अब रेलवे स्टेशन

रायपुर,06अगस्त2023(ए)। छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने अमृत मिशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों के उन्नयन बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि 2 हजार करोड़ इन्वेस्ट कर एयरपोर्ट को चमकाया जाता है, फिर उसे नीलाम कर दिया जाता है। अब देश के बड़े स्टेशनों को भी विकसित किया जाएगा और वह निजी हाथ में चले जाएंगे।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री को मैंने पत्र भी लिखा है। ट्रेनें लगातार लेट से चल रही हैं और बहुत सी निरस्त भी हो गई हैं। यह बहुत दुखद है, छत्तीसगढ़ में विरल बसाहट है, आवागमन के लिए ट्रेन बेहतर विकल्प है।

साथ ही पीएम मोदी के छत्तीसगढ़ दौरे पर भूपेश बघेल ने तंज कसते हुए कहा कि यहां साइंस कॉलेज ग्राउंड में झूठ परोस कर गए थे कि, धान खरीदी भारत सरकार करती है। साथ ही पीएम मोदी के विपक्ष अभी भी पुराने ढर्रे पर चलने वाले बयान पर भी निशाना साधते हुए कहा, देश की संपत्ति को बेच देंगे तब हर स्तर पर विरोध होगा। नगरनार बना रहे हैं, अब तक शुरू भी नहीं हो पाया। इसका विरोध नहीं होना चाहिए?

आप ने बनाई चुनाव घोषणा पत्र समिति

आनंद प्रकाश बनाए गए कमेटी अध्यक्ष

रायपुर,06अगस्त2023(ए)। छत्तीसगढ़ में इस साल के आखिरी में विधानसभा का चुनाव होना हैं। इसको लेकर सभी राजनीतिक पार्टियां जोर शोर से तैयारी में जुट गए हैं।

इसी कड़ी में आम आदमी पार्टी ने रविवार को चुनाव घोषणा पत्र समिति का ऐलान किया है। 'आप' प्रदेश अध्यक्ष कोमल हुपेंडी और सहप्रभारी हरदीप मुंडिया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर समिति की घोषणा की। आनंद प्रकाश मिरी को घोषणा पत्र समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं अन्यतम शुक्ला को सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा प्रदेश अध्यक्ष कोमल हुपेंडी, गोपाल साहू समेत 19 नेताओं को मेंबर नियुक्त किया गया है।

इस दौरान आप प्रदेश अध्यक्ष कोमल हुपेंडी ने कहा कि पार्टी जनता से राय लेकर घोषणा पत्र बनाएगी। उन्होंने कहा कि 'आप' घोषणा पत्र में वादा नहीं करती बल्कि गारंटी देती है। प्रदेश सह प्रभारी हरदीप सिंह मुंडिया ने कहा कि घोषणा पत्र में हर वर्ग के लोगों की जरूरतों का ध्यान रखा जाएगा।

8 साल से रायपुर एयरपोर्ट पर खड़ा है विदेशी प्लेन

» पार्किंग चार्ज पहुंचा सवा तीन करोड़,

» अब नीलामी की तैयारी

रायपुर,06अगस्त2023(ए)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर पिछले 8 साल से बांग्लादेशी विमान खड़ा है। इन 8 सालों में इस विमान का किराया लगभग सवा तीन करोड़ पहुंच गया है। बताया जा रहा है कि, अब रायपुर विमानतल अथारिटी की ओर से इस विमान की नीलामी की तैयारी की जा रही है। विमानतल अथारिटी ने बांग्लादेशी कंपनी को नोटिस जारी कर दिया है। नीलामी के लिए कंपनी के जवाब का इंतजार है। वहीं विमानतल अथारिटी की ओर से अपने कानूनी सलाहकारों से इस संबंध में चर्चा की जा रही है। रायपुर विमानतल के निदेशक प्रवीण जैन ने बताया कि बांग्लादेशी कंपनी का जवाब आते ही नीलामी की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

क्या है पूरा मामला

मिली जानकारी के अनुसार, 173 यात्रियों के साथ ढाका से मस्कट जाने के दौरान 7 अगस्त 2015 को एमडी 83 विमान में खराबी आ गई थी। आपात स्थिति में इस विमान की लैंडिंग रायपुर विमानतल में करवाई गई और दूसरे दिन यात्रियों को दूसरे विमान से भेजा गया। उसके बाद से यह बांग्लादेशी विमान रायपुर विमानतल में ही खड़ा है।

70 से अधिक बार लिखा जा चुका है पत्र

बताया जा रहा है कि वर्ष 2019 में बांग्लादेशी विमानन कंपनी के विशेषज्ञ रायपुर पहुंचे थे और उन्होंने इस विमान को 300 मीटर खिसकाया था। उन विशेषज्ञों ने कहा था कि विमान को जल्द से जल्द ले जाया जाएगा। रायपुर विमानतल अथारिटी की ओर से बांग्लादेशी कंपनी को वर्ष 2015 से लेकर अब तक 70 बार से अधिक पत्र लिखे जा चुके हैं। इसके साथ ही ईमेल किए जा चुके हैं। इस बार रायपुर विमानतल अथारिटी ने नीलामी को लेकर बांग्लादेशी कंपनी को नोटिस जारी किया है और कंपनी के जवाब का इंतजार बना हुआ है।

राजधानी में बीजेपी पार्षदों का पोल खोल यात्रा

नेता प्रतिपक्ष मीनल ने कहा - महापौर ने रायपुर को बना दिया खोदापुर,ढेबर बोले-पहले खुद की पोल खोल लें फिर हमारी पोल खोलें

रायपुर,06अगस्त2023(ए)। रविवार से बीजेपी पार्षदों का पोल खोल अभियान शुरू हो गया है. कांग्रेस की प्रगति यात्रा के जवाब में बीजेपी ने पोल खोल यात्रा की शुरुआत की है. भाजपाई महापौर एजाज ढेबर के कार्यों की पोल खोलेंगे।

जयस्तंभ चौक से इस अभियान की शुरुआत की गई. बीजेपी पार्षद दल 10 अगस्त तक इस अभियान के जरिए शहर का निरीक्षण करेंगे.

नगर निगम की नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा, नगर निगम का बीजेपी पार्षद दल आज काले कपड़े पहनकर शहर के बीचों बीच बड़ा प्रदर्शन कर रहे हैं. अपने इस पोल खोल प्रदर्शन में बीजेपी पार्षद दल कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहे प्रगति यात्रा का विरोध कर रहा है. साथ ही शहरभर में हुए गड्ढों का हिसाब मांग रहा है.

चौबे ने कहा, पिछले दिनों शहरभर में किए गए काम नाकाफी है. बारिश के मौसम में जलमग्न की स्थिति बता रहा कि निगम ने जनता के साथ धोखा किया है. महापौर ने 3 साल में कुछ नहीं किया है. रायपुर शहर को खोदापुर बना दिया है।

नगर निगम के भाजपा पार्षदों द्वारा महापौर की पोल खोल यात्रा पर महापौर एजाज ढेबर ने कहा, लोग प्रगति यात्रा की सफलता के बाद लगातार उसमें लोग जुड़ रहे हैं. लोगों का जनसैलाब हम लोगों के साथ चल रहा है. स्वाभाविक है, क्रिया की प्रतिक्रिया होगी, क्योंकि

चुनावी वर्ष है. कोई भी खुला मैदान यूं ही नहीं छोड़ देता. यह विपक्ष है. हम कोई चीज करेंगे तो क्रिया की प्रतिक्रिया देंगे पर हमें उससे कोई फर्क नहीं पड़ता. हम पब्लिक के बीच में जाएंगे. पब्लिक के लिए हमने काम किया है साढ़े 4 साल इसीलिए हम पब्लिक के बीच में जाएंगे. पब्लिक का जो भी काम होगा उसको करेंगे।

ढेबर ने कहा, प्रगति यात्रा हमारे डेली रूटीन पर चल रही है. फिर हमारी सोमवार को यात्रा प्रारंभ होगी. हम जनता के बीच जा रहे हैं. जनता से उनकी जो समस्या है उनकी समस्या का समाधान कर रहे हैं. जो वहां और भी परेशानी सामने निकलकर आ रही है उसका भी हम लोग समाधान कर रहे हैं. मुझे लगता है इस प्रगति यात्रा से भारतीय जनता पार्टी के पार्षद घबरा गए हैं और पोल खोल अभियान चला रहे हैं. वह नगर निगम के सम्मानित सदस्य नहीं है, क्या वह परिवार के हिस्सा नहीं है, क्या उनका नगर निगम नहीं है. खाली अपने आप को नेताओं को सुपरविजन पर बताना इस तरीके का यह ठीक नहीं है.

महापौर ने कहा, हमें लगता है वह भी हमारे परिवार के सदस्य हैं. अभी हमने 50-50 लाख रुपए लाया है. हम चाहते तो कांग्रेस के पार्षदों को देते, लेकिन हमने दोहरी राजनीति नहीं की है. हमने उन सभी लोगों के लिए भी पैसा लाया, जो उनका भी वार्ड हमारे लोग रहते हमारे भी वह पार्षद हैं. उनके वार्ड में काम होगा तो हमारे वार्ड में काम होगा. हम दिल को बड़ा रखकर काम करते हैं. इस तरीके से उनको भी काम करना चाहिए. पहले तो वह अपने खुद की पोल खोल ले फिर वह बाद में हमारी पोल खोलें।

देश से रेलवे की यात्रा सुविधा को बंद करने का षड्यंत्र कर रही मोदी सरकार

रायपुर,06अगस्त2023(ए)। अमृत भारत योजना के तहत देश भर के 508 रेलवे स्टेशनों के तथाकथित कायाकल्प करने की मोदी सरकार का दावा देश की जनता के साथ छलावा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि मोदी सरकार यात्री रेल और रेल सुविधाओं को बंद करने का षड्यंत्र कर रही है देश भर में यात्री गाड़ियां बंद की जा रही है, यात्री गाड़िया अचानक रद्द कर दी जाती है, यात्री गाड़ियां घंटों नहीं दो-दो दिन लेट चल रही है ऐसे में रेलवे स्टेशनों को सुंदर और चमकीले बनाने से क्या होग? जब रेलवे से आम आदमी को मिलने वाली सुविधा ही समाप्त कर दी जायेगी तो लोगों को अपने शहरों के रेलवे स्टेशनों की सुंदरता से क्या फायदा होगा?

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)